दैनिक

मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित

RNI. No. 69062/94

निष्पक्ष एवं निर्भीक विचारों का समाचार पत्र

प्रभात परिक्रमा

वर्ष: 31 | अंक: 225 | भोपाल, शुक्रवार 28 अगस्त 2026 | पृष्ठ: 08 | मूल्य: 1 रुपए

आवश्यकता है

दैनिक प्रभात परिक्रमा समाचार पत्र को प्रदेश के सभी जिलों एवं तहसील स्तर पर संवाददाता एवं एजेंटों की आवश्यकता है

: संपर्क :

9425023929

तीर्थ नगरी ओंकारेश्वर बनेगी आध्यात्मिक एकात्मता की पहचान : मुख्यमंत्री

सिंहस्थ-2028 से पहले निकाली जाएगी भव्य एकात्म यात्रा, जिसका सिंहस्थ के दौरान होगा समापन

संतों के आशीर्वाद से परमात्मा का नाम और उनकी अनुभूति हमारे जीवन में होती है उजागर

- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एकात्म धाम में पंचायतन मंदिर का किया शिलान्यास
- पूज्य संतों के कर-कमलों से हुआ मंदिर निर्माण का पावन शुभारंभ

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार सुबह पवित्र तीर्थ नगरी ओंकारेश्वर स्थित एकात्म धाम में भव्य पंचायतन मंदिर का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारत की दिव्य संन्यास परंपरा के प्रतिनिधियों, षड्दर्शन संत मंडल के पूज्य संतों एवं विशिष्ट अतिथियों के साथ 45 पवित्र शिलाओं का पूजन कर मंदिर निर्माण का शुभारंभ किया। श्री वेंकटेश्वर वेद विज्ञान पीठम-धर्मगिरि, आंध्रप्रदेश के प्राचार्य के.एस.एस. अवधानी, दक्षिणाम्नाय श्री शारदा पीठम-कर्नाटक और श्री श्री गुरुकुल के आचार्यों द्वारा वैदिक अनुष्ठान संपन्न कराया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि एकात्म धाम केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि भारत की सनातन ज्ञान परंपरा, आध्यात्मिक चेतना और सांस्कृतिक एकात्मता का केंद्र बनेगा। जगद्गुरु आदि शंकराचार्य ने विभिन्न उपासना पद्धतियों के बीच समन्वय स्थापित करने के लिए पंचायतन पूजन की परंपरा को पुनः प्रतिष्ठित किया था। पंचायतन मंदिर इसी महान परंपरा को आगे बढ़ाने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि हमने भगवान को प्रत्यक्ष नहीं देखा, लेकिन संतों के आशीर्वाद से परमात्मा का नाम और उनकी अनुभूति हमारे जीवन में उजागर होती है। पूज्य संतों के आशीर्वाद से ओंकारेश्वर में ऐसा दिव्य धाम आकार ले रहा है, जो आने वाली पीढ़ियों को भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिकता और चरित्र निर्माण की प्रेरणा देगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में विश्व भारत के वैभव और शक्ति को पहचान रहा है मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विश्व भारत के वैभव और शक्ति को पहचान रहा है। राज्य सरकार प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश के धार्मिक एवं आध्यात्मिक स्थलों के विकास और उन्हें विश्वस्तरीय सुविधाओं से जोड़ने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। पूर्व मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के द्वारा शुरू किए गए एकात्म धाम और मंदिर निर्माण के कार्य को हमारी सरकार आगे बढ़ा रही है। आज समाज के अंदर कई प्रकार के अंतर्विरोध और आसुरी शक्तियां विद्यमान हैं, जो कई प्रकार से हमारे मार्ग में अवरोध पैदा कर रही हैं। आदि गुरु शंकराचार्य और मां नर्मदा की कृपा से यह सारी शक्तियां पराजित होंगी। संतों के आशीर्वाद से मनुष्य का हर संकल्प पूर्ण होता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव पंचायतन मंदिर के शिलान्यास कार्यक्रम में पत्नी श्रीमती सीमा यादव के साथ शामिल हुए। मांधाता पर्वत पर अलौकिक स्वरूप ले रहा एकात्म धाम मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मांधाता पर्वत पर विकसित हो रहा एकात्म धाम आने वाले समय में अत्यंत अलौकिक और दिव्य दृश्य प्रस्तुत करेगा। हम सभी परमात्मा की लीला के साक्षी हैं। उन्होंने कहा कि हम इस यात्रा के पथिक हैं और सौभाग्य की बात है कि हमें ऐसे दिव्य धाम के निर्माण में अपनी भूमिका निभाने का अवसर मिल रहा है। यह स्थान आंतरिक चेतना के जागरण और आत्मिक शांति का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि संतों के आशीर्वाद से रक्षाबंधन के पावन अवसर पर यह शुभ कार्य हो रहा है। एकात्म धाम में निर्मित होने वाली आध्यात्मिक संरचनाएं समाज में समरसता, सद्भाव, संस्कार और चरित्र निर्माण की भावना को मजबूत करेंगी। ओंकारेश्वर और उज्जैन देश-दुनिया में आध्यात्मिक प्रेरणा के केंद्र के रूप में विकसित होंगे मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ-2028 के पूर्व भव्य एकात्म यात्रा निकाली जाएगी, जिसका समापन सिंहस्थ के दौरान होगा। यह यात्रा देश और दुनिया तक भारतीय ज्ञान परंपरा, संत परंपरा और एकात्म दर्शन का संदेश पहुंचाएगी। उन्होंने कहा कि ओंकारेश्वर और उज्जैन दोनों ही धाम आंतरिक चेतना के केंद्र बन रहे हैं। ये दोनों स्थान केवल मध्यप्रदेश के लिए नहीं, बल्कि संपूर्ण भारत और दुनिया के लिए अप्रतिम आध्यात्मिक केंद्र के रूप में विकसित होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पंचायतन मंदिर धार्मिक आस्था के साथ भारतीय प्राचीन वास्तुकला और मूर्तिकला के पुनरुत्थान का भी महत्वपूर्ण उदाहरण बनेगा। पंचायतन उपासना का मूल संदेश यही है कि विभिन्न देव स्वरूपों में उसी एक परम ब्रह्म की उपासना की जाती है। यही भारतीय संस्कृति की एकात्म दृष्टि है। उन्होंने कहा कि ओंकारेश्वर की धरती पर संतों के आशीर्वाद से निर्मित यह दिव्य धाम आने वाले समय में देश-दुनिया के श्रद्धालुओं और जिज्ञासुओं के लिए आध्यात्मिक प्रेरणा का केंद्र बनेगा। पंचायतन मंदिर में पंचदेवों की उपासना प्राचीन पंचायतन शैली पर आधारित मंदिर के केंद्र में भगवान शिव का मुख्य देवालय होगा। चारों कोनों पर भगवान विष्णु, भगवान सूर्य, भगवान गणेश और भगवती शक्ति के उप-देवालय होंगे।

नेपाल ग्लेशियर से जुड़ी अचानक बाढ़ ने हिमालयी खतरे की चिंता बढ़ाई

तिब्बत में 7 झीलें और फटेंगी! ...पोइक्यू नदी बेसिन में ग्लेशियल झीलों का कुल क्षेत्रफल करीब 110 बढ़ा, भोटेकोशी नदी में अचानक आए तेज जलप्रवाह और बाढ़ के बाद यूपी और बिहार में भी अलर्ट जारी

बाढ़ में अब तक 359 मौतें, 288 भारतीय लापता!

- फटने को तैयार 50 लाख क्यूबिक मीटर पानी! झील ओवरफ्लो, नेपाल के लिए डेंजर हैं अगले 72 घंटे

काठमांडु/नई दिल्ली। नेपाल में भोटेकोशी नदी में अचानक आए तेज जलप्रवाह और बाढ़ के बाद यूपी और बिहार में भी अलर्ट जारी किया गया है। गंडक नदी के जलस्तर पर प्रशासन लगातार नजर रख रहा है। बता दें कि नेपाल में आई बाढ़ से मरने वालों का आंकड़ा 359 पहुंच गया है। 1500 से अधिक लोग लापता हैं। नेपाल और चीन की सीमा पर बना संकट टला नहीं है। चीन के जल संसाधन मंत्रालय के अनुसार नेपाल में छोचेन खोला और पुरेपु सांगपो नदियों के संगम के पास एक बड़ा बैरियर लेक बन गया है। गुरुवार सुबह तक इसमें करीब 20 लाख घन मीटर पानी जमा हो चुका था और झील पहले से ओवरफ्लो हो रही है। अगले तीन दिनों में और 30 लाख घन मीटर पानी आने का अनुमान है, जिससे झील के फटने का खतरा बहुत अधिक बना हुआ है।

ग्लेशियल झीलों के फटने का खतरा बढ़ा

इस घटना ने तिब्बत के उस पूरे इलाके में मौजूद ग्लेशियल झीलों के खतरे पर बड़ा सवाल जरूर खड़ा कर दिया है। खासकर पोइक्यू नदी बेसिन को लेकर वैज्ञानिक पहले से चेतावनी देते रहे हैं। कैंब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस में प्रकाशित एक अध्ययन के मुताबिक 1964 से 2017 के बीच इस बेसिन में ग्लेशियल झीलों का कुल क्षेत्रफल करीब 110 फीसदी बढ़ गया। इसी अध्ययन में तेजी से बढ़ रही 8 झीलों को संभावित रूप से खतरनाक ग्लेशियल झील माना गया था। पोइक्यू नदी बेसिन तिब्बत (चीन) के स्वायत्त क्षेत्र में स्थित एक उच्च पर्वतीय नदी द्रोणी है, जिसे नेपाल में नीचे की ओर आने पर भोते कोशी और सुन कोशी के नाम से जाना जाता है। इसका साफ अर्थ कि नेपाल और उससे सटे हिमालयी इलाकों वाले भारत जैसे देशों में अब भी रसूवा जैसी घटनाओं की आशंका बनी हुई है।

1500 से अधिक लोग लापता

नेपाल के रसुवा क्षेत्र में भोटेकोशी नदी में भीषण बाढ़ से भारी तबाही देखने को मिली है। नेपाल में आए इस विनाशकारी फ्लैश फ्लड में करीब 359 लोगों की मौत हो चुकी है और 1500 से अधिक लोग लापता बताए जा रहे हैं। बाढ़ के कारण कई क्षेत्रों का परिवहन और संपर्क ढांचा भी बुरी तरह प्रभावित हुआ है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 35 पुल और 45 सस्पेंशन ब्रिज बह गए हैं, जिससे कई इलाकों का संपर्क बाधित हो गया है। इस घटना में 13 जलविद्युत परियोजनाओं को नुकसान पहुंचा है और कई वाहन तेज बहाव की चपेट में आ गए। नेपाल सेना ने प्रभावित इलाकों से 250 से ज्यादा लोगों को सुरक्षित निकाला है। नेपाल में कई लोग अब भी लापता हैं। इनमें कई भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। इस बीच, नेपाल में आई भीषण बाढ़ के बाद उत्तर प्रदेश और बिहार में भी प्रशासन अलर्ट पर है। गंडक, नारायणी और कोसी नदी के जलस्तर पर नजर रखी जा रही है। यूपी के महाराजगंज और कुशीनगर समेत बिहार के संवेदनशील इलाकों में प्रशासन को अलर्ट किया गया है। गृह मंत्रालय समेत कई केंद्रीय मंत्रालय लगातार स्थिति की मॉनिटरिंग कर रहे हैं।

अब समुद्र मंथन से निकलेगा तेल!

- 84 हजार करोड़ खर्च कर 60 करोड़ टन तेल-गैस निकालने की तैयारी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार अब समुद्र की गहराइयों में छिपे तेल और गैस के भंडार को बाहर निकालने के लिए साल-दर-साल का पूरा रोडमैप तैयार कर रही है। इस स्कीम का नाम समुद्र मंथन यानी नेशनल ऑफशोर एक्सप्लोरेशन स्कीम है। इसे पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के तहत केंद्रीय क्षेत्र की योजना के रूप में मंजूरी दी गई है। योजना का मकसद समुद्र तल के नीचे छिपे करीब 600 मिलियन मीट्रिक टन ऑयल इक्विवेलेंट यानी लगभग 60 करोड़ टन कच्चे तेल के बराबर ऊर्जा भंडार का पता लगाना है, ताकि भारत की इम्पोर्ट पर निर्भरता घटे और एनर्जी सिक्योरिटी मजबूत हो। योजना के पहले फेज के तहत वित्त वर्ष 2030-31 तक कुल 84,084 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। 31 जुलाई 2026 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट ने इस योजना को मंजूरी दी थी। आइए इसके बारे में विस्तार से समझते हैं। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चे तेल का कंज्यूमर है और उसका सालाना इम्पोर्ट बिल करीब 144 अरब डॉलर यानी लगभग 13 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। बीते एक दशक में कच्चे तेल पर इम्पोर्ट निर्भरता 77 प्रतिशत से बढकर 88 प्रतिशत हो चुकी है। वहीं, प्राकृतिक गैस की करीब आधी जरूरत भी इम्पोर्ट से पूरी होती है। भारत के पूर्वी और पश्चिमी ऑफशोर बेसिन, जो 3,000 मीटर तक की गहराई तक फैले हैं, में 5,600 मिलियन मीट्रिक टन ऑयल इक्विवेलेंट से ज्यादा हाइड्रोकार्बन क्षमता होने का अनुमान है, लेकिन डीपवाटर ड्रिलिंग बहुत महंगी और रिस्की प्रक्रिया है। एक कुएं की ड्रिलिंग पर ही 125-150 मिलियन डॉलर तक खर्च आता है और एक्सप्लोरेशन ब्लॉक मिलने से लेकर कमर्शियल प्रोडक्शन शुरू होने तक 5 से 10 साल लग सकते हैं। यही रिस्क अब तक प्राइवेट और सरकारी दोनों कंपनियों को गहरे समुद्र में उतरने से रोकता रहा है।

सार-समाचार

5 किलो से ज्यादा शक्कर नहीं मिलेगी

नई दिल्ली। ब्लिंकिट, जेप्टो जैसे क्विक-कॉमर्स एप्स से अब ग्राहक एक बार में 2 से 5 किलो तक ही चीनी खरीद पाएंगे। देश में त्योहारी सीजन की शुरूआत से ठीक पहले चीनी की सप्लाई घटने और खुदरा कीमतों में अचानक आई तेजी के बाद यह फैसला लिया गया है। उपभोक्ता मामले विभाग के मुताबिक, 26 अगस्त को देश में चीनी की औसत खुदरा कीमत 65.05 रुपए किलो पर पहुंच गई है। महज एक महीने पहले 26 जुलाई को ये 48 रुपए प्रति किलो थी। यानी 30 दिनों में चीनी 35.5 प्रतिशत से ज्यादा महंगी हुई है। ऑफलाइन बाजार में डीमार्ट और रिलायंस रिटेल जैसे सुपरमार्केट्स ने प्रति ग्राहक 2 से 3 किलो चीनी खरीदने की सीमा तय की है। प्रमुख चीनी ब्रांड्स के एक सीनियर एग्जीक्यूटिव के मुताबिक, रिटेलर्स यह कदम जमाखोरी को रोकने और हर ग्राहक को स्टॉक उपलब्ध कराने के लिए उठा रहे हैं।

बस और ऑटो की टक्कर, 7 की मौत

पलनाडु। आंध्र प्रदेश के पलनाडु जिले में गुरुवार को एक बस ने ऑटो-रिक्शा को टक्कर मार दी। हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 6 अन्य घायल हुए हैं। घायलों में 4 बच्चे भी शामिल हैं। पुलिस ने यह जानकारी दी। हादसा चिलकलूरिपेट मंडल के अड्डा रोड के पास हुआ। बस विजयवाड़ा से तिरुपति जा रही थी, तभी उसने 15 यात्रियों को लेकर जा रहे ऑटो-रिक्शा को टक्कर मार दी। पुलिस के मुताबिक, ऑटो-रिक्शा सडक के गलत तरफ मुडकर बस के रास्ते में आ गया था। उस समय बस करीब 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही थी।

नेशनल लॉ स्कूल का दीक्षांत समारोह रद्द

बेंगलुरु। बेंगलुरु की नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी ने 2026 बैच का दीक्षांत समारोह रद्द कर दिया है। छात्रों ने दीक्षांत समारोह में सीजेआई सूर्यकांत के शामिल होने का विरोध किया था। यूनिवर्सिटी ने 27 अगस्त को कहा कि कुछ जरूरी कारणों के चलते 12 सितंबर को होने वाला समारोह आयोजित नहीं किया जाएगा। छात्रों को गवर्निंग बॉडी की मंजूरी के बाद बिना समारोह के डिग्री दी जाएगी। उन्हें प्रमाणपत्र कूरियर से मंगाने या कैंपस से लेने का विकल्प मिलेगा। वहीं, सीजेपी के सौरव दास ने उम्मीद जताई कि ग्रेजुएटिंग बैच अपना अलग समारोह आयोजित करेगा और छात्रों को सम्मानित करने के लिए किसी विशेष अतिथि को बुलाएगा।

खालिद-शरजील की जमानत का विरोध

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने फरवरी 2020 के दिल्ली दंगों से जुड़ी साजिश के मामले में उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिकाओं का दिल्ली हाईकोर्ट में विरोध किया है। पुलिस ने दोनों को दंगों का मास्टरमाइंड बताया है। दिल्ली पुलिस ने कहा कि दोनों की जमानत याचिकाएं गलत आधार पर दाखिल की गई हैं और कानूनी रूप से टिकाऊ नहीं हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 5 जनवरी को दोनों को जमानत देने से इनकार करते हुए उनकी भूमिका को अन्य सह-आरोपियों से अलग कमांड अथॉरिटी के रूप में माना था।

ऑटो ड्राइवरों को मराठी सीखने के लिए एक साल मिला

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने मराठी न जानने वाले ऑटो और टैक्सी ड्राइवरों को मराठी सीखने के लिए एक साल का समय दिया। गुरुवार को मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि इस बीच में ड्राइवरों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होगी। इस कदम से मराठी भाषा की शर्त को लागू करने का काम एक साल के लिए टल गया है। ऑटो-रिक्शा और टैक्सी ड्राइवर संगठनों ने फडणवीस से मुलाकात कर नियम का पालन करने के लिए और समय मांगा था। फडणवीस ने यह भी कहा कि मुंबई में काम करने वाले ड्राइवरों के लिए मराठी की कामचलाऊ जानकारी जरूरी होने का संगठनों ने समर्थन किया है। हालांकि, उन्होंने बताया कि ड्राइवर अलग-अलग उम्र के हैं।

पीएम मोदी करेंगे उज्बेकिस्तान-किर्गिस्तान का दौरा

विदेश मंत्रालय ने जारी की यात्रा जानकारी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 29 अगस्त से 1 सितंबर तक विदेश दौरे पर रहेंगे। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को पीएम मोदी की विदेश यात्रा संबंधी जानकारी साझा करते हुए बताया, कि 29 से 30 अगस्त के पीएम मोदी उज्बेकिस्तान में रहेंगे। इसके बाद 31 अगस्त से 1 सितंबर तक वे किर्गिस्तान के दौरे पर रहेंगे। एमईए सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज ने बताया, कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 29 से 30 अगस्त तक उज्बेकिस्तान की यात्रा करेंगे। इसके बाद वे 31 अगस्त से 1 सितंबर तक किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में रहेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार पीएम मोदी उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति के निमंत्रण पर उज्बेकिस्तान जा रहे हैं। भारत और उज्बेकिस्तान के बीच विगत अनेक वर्षों से द्विपक्षीय और बहुपक्षीय स्तर पर व्यापक और सार्थक संवाद रहा है। खासतौर पर साल 2011 में भारत और उज्बेकिस्तान ने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक पहुंचाया। इसके बाद से दोनों देशों के रिश्ते अनेक क्षेत्रों में लगातार मजबूत हुए हैं। एमईए सचिव के मुताबिक पीएम मोदी की यह यात्रा भारत और उज्बेकिस्तान के बीच करीबी, बहुआयामी और लगातार बढ़ती रणनीतिक साझेदारी का सबूत पेश करेगी। इस यात्रा के दौरान दोनों ही पक्ष आपसी हित से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा करेंगे। साथ ही द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने नए रास्ते तलाशे जाएंगे। पीएम मोदी की यात्रा से सांस्कृतिक संबंधों को भी प्रमुखता मिलने की उम्मीद है। पीएम मोदी 31 अगस्त को पहुंचेंगे बिश्केक उज्बेकिस्तान का दौरा पूर्ण कर प्रधानमंत्री मोदी 31 अगस्त से 1 सितंबर तक किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में रहेंगे। यहां 26वें शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी हिस्सा लेंगे।

ट्रेनिंग एयरक्राफ्ट क्रैश, दोनों पायलट की मौत

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर में गुरुवार को एक ट्रेनिंग एयरक्राफ्ट क्रैश हो गया। इस हादसे में ट्रेनिंग एयरक्राफ्ट में सवार पायलट और को-पायलट की मौत हो गई है। रेस्क्यू टीमें मौके पर राहत और बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। प्लेन क्रैश की यह दुर्घटना कानपुर के गंगा बैराज के पास हुई है। जानकारी के मुताबिक हादसे का शिकार हुआ ट्रेनिंग एयरक्राफ्ट गर्ग एविएशन का था। गुरुवार को गंगा बैराज के पास यह विमान हादसे का शिकार हो गया। कानपुर के नत्था खेड़ा इलाके में गंगा बैराज के पास ट्रेनिंग विमान क्रैश होने की सूचना इलाके के लोगों ने फायर ब्रिगेड को दी। हादसे की सूचना पाकर कानपुर के चीफ फायर अफसर भी मौके पर पहुंच गए।

खडगे ने परिसीमन को लेकर पीएम को चिट्ठी लिखी, चर्चा के पर्याप्त समय मांगा

लोकसभा सदस्यों की संख्या अगले 25 साल तक 543 ही रखें

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएम नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखकर परिसीमन पर चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की। खड़गे ने मोदी से आग्रह किया कि वे परिसीमन के लिए सरकार के प्रस्तावों को सभी राजनीतिक दलों के साथ शेयर करें। उन्होंने सभी दलों और राज्य सरकारों को इन प्रस्तावों का अध्ययन करने के लिए पर्याप्त समय देने को कहा। चिट्ठी में खडगे ने पीएम से कहा कि लोकसभा में राज्यवार मौजूदा संख्या बल को अगले 25 साल तक 543 बनाए बनाए रखने की मांग की है। 2029 के लोकसभा चुनावों से महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण लागू करें। खडगे ने कहा कि उन्होंने इससे पहले 16 जुलाई को पीएम को पत्र लिखकर परिसीमन के लिए सरकार के प्रस्तावों पर चर्चा करने के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाने का अनुरोध किया था। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री के संकेत दिए जाने के अनुसार आगे बढ़ने से पहले मैं कहना चाहता हूं कि कृपया फिर से जबरदस्ती करने की कोशिश न करें जैसा कि आपने 16 और 17 अप्रैल, 2026 को करने का प्रयास किया था। आपसे आपके मन में जो भी परिसीमन प्रस्ताव हैं, उन पर चर्चा करने के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाएं, सभी राजनीतिक दलों और राज्य सरकारों को ऐसे प्रस्तावों का अध्ययन करने के लिए पर्याप्त समय दें। उन्होंने कहा कि शायद यही कारण है कि मानसून सत्र के सत्रावसान में लगातार देरी हो रही है। 17 अप्रैल को प्रस्ताव लोकसभा में गिर गया था 17 अप्रैल को बजट सत्र के दौरान लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिला आरक्षण लागू करने के लिए परिसीमन से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक लोकसभा में गिर गया। मतदान करने वाले 528 सांसदों में से 298 ने समर्थन में मतदान किया, जबकि 230 ने विरोध किया। विधेयक को दो-तिहाई बहुमत के लिए 352 मतों की जरूरत थी।

न्यूयॉर्क में मोहन भागवत का कार्यक्रम रद्द करने की कोशिश

हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन का आरोप, कहा- सतर्क रहें, मेयर ममदानी समेत कई संगठन विरोध में

न्यूयॉर्क। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के 29 अगस्त को न्यूयॉर्क के मेडिसन स्क्वायर गार्डन में होने वाले यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन कार्यक्रम से पहले हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने सुरक्षा एडवाइजरी जारी की है। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने कार्यक्रम में शामिल होने वाले लोगों से सतर्क रहने, आसपास की गतिविधियों पर नजर रखने और किसी भी तरह के टकराव से बचने की अपील की है। दरअसल, भागवत के कार्यक्रम का न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी समेत कुछ संगठनों ने विरोध किया है। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने कहा, कुछ लोग कार्यक्रम को रद्द कराना चाहते हैं। इसके बाद हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने मेयर ममदानी से कार्यक्रम की सुरक्षा और नागरिक अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करने की अपील की। फाउंडेशन ने इमरजेंसी नंबर जारी किया हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने आरोप लगाया कि हिंदू-अमेरिकियों को निशाना बनाने वाले कुछ एक्टिविस्ट कार्यक्रम को बाधित करने और रद्द कराने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन की एडवाइजरी में किसी आतंकी या हिंसक खतरे की पुष्टि नहीं की गई है। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने कार्यक्रम में आने वालों को विरोध करने वालों से टकराव से बचने और किसी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी सुरक्षा अधिकारियों या कानून प्रवर्तन एजेंसियों को देने की सलाह दी है। इमरजेंसी में 911 पर कॉल करने को भी कहा गया है। ममदानी समेत कई संगठनों ने विरोध किया भागवत के कार्यक्रम का न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान मामदानी समेत कुछ इंटरफेथ और नागरिक अधिकार संगठनों ने विरोध किया है। उन्होंने कहा था कि वह इस कार्यक्रम का समर्थन नहीं करते। बांटने वाली विचारधारा का विरोध करता हूं। संगठनों में हिंदूज फॉर ह्यूमन राइट्स, इंडियन अमेरिकन मुस्लिम काउंसिल और इंटरफेथ सेंटर ऑफ न्यूयॉर्क शामिल हैं। मेडिसन स्क्वायर में भारतीयों को संबोधित करेंगे भागवत मेडिसन स्क्वायर गार्डन में ह्यूयूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशनह्ल कार्यक्रम का आयोजन अमेरिकन हिंदूज फॉर एंगेजमेंट एंड डायलॉग फोरम कर रहा है। कार्यक्रम में भागवत का संबोधन भी होगा। यह कार्यक्रम रक्षाबंधन के मौके पर आयोजित किया जा रहा है। आयोजकों के मुताबिक, कार्यक्रम में रक्षाबंधन की पारंपरिक भावना को एकता, नागरिक जिम्मेदारी और वैश्विक सद्भाव के संदेश से जोड़ा जाएगा। इसमें सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी होंगी। अलग-अलग धर्मों और समुदायों से जुड़े लोग भी शामिल होंगे।

संपादकीय

आरक्षण हक नहीं, व्यवस्था है

भारत में आरक्षण की व्यवस्था को समाप्त नहीं किया जा सकता, क्योंकि यह राजनीति और चुनाव का 'अमोघ अस्त्र' बन चुका है। संविधान में भी अनुच्छेद 340, 341 में उल्लेख है कि सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक विषमताओं, विसंगतियों को खत्म करने और कुछ समुदायों को समानता की मुख्यधारा में लाने को आरक्षण की व्यवस्था लागू की गई है। यह व्यवस्था आजादी और संविधान लागू होने के बाद सिर्फ 10 सालों के लिए थी, लेकिन 79 साल की आजादी के बाद भी जारी है और उसे निरंतर जारी रखना सरकारों की विवशता भी है। आरक्षण संवैधानिक अधिकार नहीं है, मौलिक अधिकार भी नहीं है, सिर्फ एक व्यवस्था है, जिसे बढ़ाया जाता रहा है। अनुच्छेद 15 और 16 में आरक्षण की शक्ति राज्य को दी गई है, लेकिन सर्वोच्च अदालत यह भी स्पष्ट कर चुकी है कि आरक्षण मौलिक अधिकार नहीं, बल्कि एक व्यवस्था है। संविधान में आर्थिक रूप से गरीब, कमजोर वर्गों के लिए आरक्षण की व्यवस्था क्यों नहीं की गई, इसका जवाब हम नहीं दे सकते। क्या ब्राह्मण, वैश्य, क्षत्रिय, भूमिहार आदि सवर्ण वर्ग 'गरीब' नहीं हैं? हमारे पुरखों ने यह कल्पना क्यों नहीं की? क्या उस समय देश में कोई भी सवर्ण 'कमजोर' नहीं था? ये सवाल निरंतर अनुत्तरित रहेंगे। हालांकि प्रधानमंत्री मोदी ने आर्थिक रूप से कमजोर सवर्णों के लिए 10 फीसदी का आरक्षण संसद से पारित कराया था, जिसे सर्वोच्च अदालत ने भी 'न्यायिक' माना, लेकिन यह पर्याप्त नहीं है। दरअसल छिद्र और विसंगतियां आरक्षण की व्यवस्था में हैं। उस संदर्भ में सर्वोच्च अदालत ने 'क्रीमी लेयर' का फैसला सुनाया था। 'क्रीमी लेयर' की आय-सीमा 8 लाख रुपए सालाना तय है। उससे अधिक आय वाले आरक्षित वर्गों के बच्चों को आरक्षण नहीं मिलेगा। लेकिन यह न्यायिक व्यवस्था पूरी तरह लागू नहीं है। हम ऐसे कई परिवारों को जानते हैं, जिनमें पीढ़ी-दर-पीढ़ी आईएएस, आईपीएस अधिकारी हैं। उनके परिवारों को आरक्षण क्यों चाहिए? या क्यों दिया जाना चाहिए? लोकसभा में 131 सांसद 'आरक्षित' हैं। अनुसूचित जाति के 84 और जनजाति के 47 सांसद हैं।

राज्यों की विधानसभाओं में भी सैकड़ों आरक्षित विधायक हैं। मंत्री, राज्यमंत्री और अन्य पदों पर भी आरक्षित चेहरे हैं। यदि राष्ट्रीय स्तर के चेहरों का उल्लेख करें, तो बसपा प्रमुख एवं उप्र की चार बार मुख्यमंत्री रहीं मायावती, लोकसभा सांसद एवं उप्र के ही पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान और रामदास अठावले आदि के परिवारों और बच्चों को आरक्षण क्यों मिलना चाहिए? पासवान परिवार में रामविलास पासवान (अब दिवंगत) के समय से भाई, भतीजा, दामाद सभी सत्ता में रहे अथवा सांसद-विधायक रहे। आखिर सामाजिक पिछड़ेपन, विषमताओं से उबरने का मापदंड क्या है? यह सरकारों ने तय नहीं किया और सर्वोच्च अदालत ने भी कोई फैसला नहीं सुनाया। राजनीति और सरकारें तो आरक्षण के सामने नतमस्तक हैं, बंधक बनी हैं। 'क्रीमी लेयर' की परवाह कौन करता है? आप शिक्षित हैं, आर्थिक रूप से सम्पन्न हैं, सामाजिक रुतबा भी है, विषमताओं से बाहर आने का और क्या आधार होना चाहिए? हम यह विश्लेषण इसलिए कर रहे हैं, क्योंकि सवर्ण युवाओं ने 'जंतर-मंतर' पर प्रदर्शन किया था। उन्होंने यह मुद्दा उठाते हुए आरक्षण की समीक्षा करने, उसमें सुधार करने की मांग की है। वे खुद को 'संवैधानिक अछूत' मान रहे हैं। यह नौबत क्यों आई? वे भी 'जेन-जी' के चेहरे हैं। वे प्रतिभाशाली हैं, अच्छे अंकों से परीक्षाएं पास कर रहे हैं, लेकिन उनकी सामान्य श्रेणी की इतनी रिक्तियां नहीं हैं कि उन्हें नौकरी मिल सके। आरक्षण का मुद्दा उठा है, तो केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान जैसे नेतागण इस मुद्दे पर विमर्श को ही तैयार नहीं हैं।

विकसित भारत की राह में जर्जर शिक्षा व्यवस्था सबसे बड़ा सवाल

नीति आयोग की हालिया रिपोर्ट एक और महत्वपूर्ण तस्वीर सामने रखती है। 2014-15 में देश में 11.07 लाख सरकारी स्कूल थे, जो 2024-25 में घटकर 10.13 लाख रह गए। इसके विपरीत निजी मान्यता प्राप्त स्कूलों की संख्या 2.88 लाख से बढ़कर 3.39 लाख हो गई। यह परिवर्तन केवल स्कूलों की संख्या का उतार-चढ़ाव नहीं है, यह अभिभावकों की बदलती पसंद और सरकारी शिक्षा में घटते विश्वास का संकेत भी है। सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि जब सरकार के पास भवन है, जमीन है, प्रशिक्षित शिक्षक हैं, वेतन देने की क्षमता है और विशाल प्रशासनिक तंत्र है, तब सरकारी स्कूल निजी स्कूलों से पीछे क्यों हैं? निजी स्कूलों की आलोचना करना आसान है, लेकिन यह भी देखना होगा कि अभिभावक अपनी सीमित आय में फीस देकर भी निजी स्कूल क्यों चुन रहे हैं। इसका उत्तर सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता, अनुशासन, नियमितता, अंग्रेजी एवं तकनीकी शिक्षा, अभिभावक संवाद और सीखने के वातावरण में छिपा है। एसीईआर के आंकड़े भी इस अंतर को रेखांकित करते हैं।

ललित गर्ग

भारत आज वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का संकल्प लेकर आगे बढ़ रहा है। एक शिक्षक, टूटती दीवारें और घटते सरकारी स्कूल-क्या शिक्षा के बिना 2047 का सपना पूरा होगा? दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में देश की प्रगति, डिजिटल क्रांति, अंतरिक्ष उपलब्धियां, आधारभूत ढांचे का विस्तार और वैश्विक मंच पर बढ़ता प्रभाव निश्चित रूप से गौरव का विषय हैं। लेकिन इसी चमकदार तस्वीर के पीछे यदि हम सरकारी स्कूलों की ओर देखें तो एक दूसरा भारत दिखाई देता है-ऐसा भारत जहां हजारों बच्चे आज भी पर्याप्त शिक्षकों, सुरक्षित भवन, स्वच्छ पेयजल, शौचालय, बिजली और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के लिए संघर्ष कर रहे हैं। सवाल यह है कि जिस शिक्षा-व्यवस्था पर विकसित भारत की नींव रखी जानी है, उसकी बुनियाद ही कमजोर होगी तो 2047 का भारत कितना मजबूत होगा? सरकारी आंकड़े इस चिंता को और गंभीर बनाते हैं। यूडीआईएसई प्लस 2024-25 के अनुसार देश में 1,04,125 स्कूल ऐसे हैं जहां केवल एक शिक्षक कार्यरत है और इन स्कूलों में करीब 33.77 लाख विद्यार्थी पढ़ते हैं। यानी एक शिक्षक को कई कक्षाओं, अनेक विषयों और प्रशासनिक जिम्मेदारियों के बीच बच्चों की शिक्षा संभालनी पड़ रही है। यह केवल संख्या नहीं, बल्कि उन लाखों बच्चों के भविष्य की कहानी है, जिनके लिए सरकारी स्कूल शिक्षा का सबसे सुलभ और कई बार एकमात्र माध्यम हैं। विडंबना यह है कि उसी देश में हम विश्वस्तरीय विश्वविद्यालयों, आईआईटी, आईआईएम, मेडिकल संस्थानों और अत्याधुनिक शिक्षण परिसरों की चर्चा करते हैं, लेकिन गांव के उस बच्चे की ओर पर्याप्त ध्यान नहीं देते जो टूटी छत के नीचे बैठकर भविष्य के सपने देख रहा है। कहीं शिक्षक एक है और कक्षाएं पांच। कहीं विद्यालय भवन जर्जर है, कहीं पानी नहीं, कहीं शौचालय नहीं, कहीं बिजली और पंखे नहीं। हाल के महीनों में उत्तर प्रदेश के अनेक जिलों में विद्यार्थियों को अधिक शिक्षक, बेहतर भोजन, पेयजल, पंखे और बुनियादी सुविधाओं की मांग को लेकर सड़कों पर उतरना पड़ा। फतेहपुर में तो लगभग एक हजार विद्यार्थियों ने जर्जर कक्षाओं, रिसती छतों और सुरक्षित पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए प्रदर्शन किया। यह स्थिति केवल किसी एक राज्य अथवा किसी एक सरकार की विफलता नहीं है। यह वर्षों से चली आ रही उस

प्रशासनिक सोच का परिणाम है जिसमें शिक्षा को प्राथमिकता तो भाषणों में दी गई, लेकिन उसकी गुणवत्ता और जवाबदेही को शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में स्थान नहीं मिला। शिक्षा विभागों में अधिकारियों और कर्मचारियों की बड़ी व्यवस्था है, बजट है, योजनाएं हैं, समितियां हैं, निरीक्षण तंत्र है-फिर भी एक शिक्षक वाले एक लाख से अधिक स्कूल कैसे बने रहे? यह सवाल केवल सरकार से नहीं, पूरे प्रशासनिक तंत्र से पूछा जाना चाहिए। निश्चित रूप से तस्वीर पूरी तरह निराशाजनक भी नहीं है। यूडीआईएसई प्लस के अनुसार 2024-25 में देश में कुल 14.71 लाख स्कूल, करीब 24.69 करोड़ विद्यार्थी और एक करोड़ से अधिक शिक्षक हैं। सरकारी स्कूलों की संख्या 10.13 लाख है, जबकि निजी मान्यता प्राप्त स्कूल करीब 3.40 लाख हैं। सरकार के आंकड़े यह भी बताते हैं कि एकल-शिक्षक स्कूलों की संख्या 2023-24 के 1,10,971 से घटकर 2024-25 में 1,04,125 हुई है और कंप्यूटर सुविधा वाले स्कूलों का अनुपात 57.2 प्रतिशत से बढ़कर 64.7 प्रतिशत हुआ है। इन सुधारों को स्वीकार करना चाहिए, लेकिन इन्हें अंतिम उपलब्धि मान लेना आत्मसंतोष होगा। क्योंकि शिक्षा की असली कसौटी भवन, कंप्यूटर या आंकड़े नहीं, बच्चे की सीखने की क्षमता और उसके भविष्य का निर्माण है। नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार 2024 में कक्षा 3 के बच्चों में कक्षा 2 स्तर का पाठ पढ़ पाने वालों का अनुपात सरकारी स्कूलों में 23.4 प्रतिशत था, जबकि निजी स्कूलों में 35.5 प्रतिशत। कक्षा 5 में भी सरकारी स्कूलों का आंकड़ा 44.8 प्रतिशत और निजी स्कूलों का 59.3 प्रतिशत रहा। यानी समस्या केवल स्कूल भवन की नहीं, सीखने के परिणामों की भी है। इसी के समानांतर उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तस्वीर भी चिंता पैदा करती है। पेपर लीक, परीक्षा में अनियमितता, भर्ती में देरी और युवाओं के आंदोलनों की खबरें लगातार सामने आती रही हैं। 2026 में परीक्षा संबंधी विवादों ने विद्यार्थियों और अभ्यर्थियों में असंतोष को व्यापक बनाया। इसका अर्थ यह है कि समस्या शिक्षा-व्यवस्था के निचले स्तर से लेकर उच्च स्तर तक फैली हुई है। प्राथमिक स्कूल में कमजोर नींव, माध्यमिक शिक्षा में गुणवत्ता का संकट और उच्च शिक्षा तथा प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता का सवाल-इन सबको अलग-अलग देखकर समाधान नहीं निकलेगा। सरकारी स्कूल वास्तव में भारत की सामाजिक समानता का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम हैं। इन स्कूलों में ग्रामीण परिवारों, श्रमिकों, गरीबों, वंचित वर्गों और निम्न आय वाले परिवारों के बच्चे बड़ी संख्या में पढ़ते हैं। यदि इन विद्यालयों की गुणवत्ता गिरती है तो सबसे अधिक नुकसान उसी वर्ग को होता है जिसके पास महंगे निजी स्कूलों का विकल्प नहीं है। इसलिए सरकारी स्कूलों की बदहाली केवल शिक्षा का संकट नहीं, सामाजिक न्याय का संकट भी है। यहां एक कठोर लेकिन सार्थक सुझाव पर विचार होना चाहिए-क्या जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के बच्चों के लिए कुछ निश्चित परिस्थितियों में सरकारी स्कूलों में शिक्षा को प्रोत्साहित अथवा अनिवार्य करने जैसी व्यवस्था बनाई जा सकती है? जब नीति बनाने वाले परिवार स्वयं उसी व्यवस्था का अनुभव करेंगे, तब शायद स्कूल की टूटी खिड़की, बंद शौचालय, शिक्षक की कमी और खराब मिड-डे-मील केवल फाइल की टिप्पणी नहीं रहेंगे, बल्कि व्यक्तिगत अनुभव बन जाएंगे। शिक्षा को केवल मध्याह्न भोजन, छात्रवृत्ति, यूनिफॉर्म या मुफ्त पुस्तकों की योजनाओं तक सीमित नहीं किया जा सकता। ये आवश्यक हैं, लेकिन शिक्षा का उद्देश्य केवल बच्चे को स्कूल तक पहुंचाना नहीं, उसे ज्ञान, विवेक, कौशल, संस्कार और आत्मविश्वास से संपन्न नागरिक बनाना है। जिस बच्चे को आज गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं मिलेगी, उससे कल विकसित भारत के निर्माण में प्रभावी योगदान की अपेक्षा कैसे की जा सकती है? सरकार को अब घोषणाओं से आगे बढ़कर 'राष्ट्रीय सरकारी स्कूल कायाकल्प मिशन' जैसी व्यापक पहल पर विचार करना चाहिए। प्रत्येक स्कूल के लिए शिक्षक उपलब्धता, भवन की सुरक्षा, पेयजल, बिजली, डिजिटल सुविधा, शौचालय, पुस्तकालय, खेल मैदान और सीखने के परिणामों के स्पष्ट मानक तय हों।

आज का इतिहास

1604 - अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में आदि गुरू ग्रंथ साहिब की प्रतिष्ठापना की गई थी.

1859 - दुनिया की पहली व्यावसायिक रूप से पेट्रोलियम की खोज टिटसविले, पेंसिल्वेनिया में हुई थी.

1870 - भारत के पहले मजदूर संगठन के रूप में श्रमजीवी संघ की स्थापना की गई थी.

1881 - जॉर्जिया तूफान सवाना, जॉर्जिया के पास आता है जिसमे परिणामस्वरूप 700 मौतें हुईं थी.

1896 - एंग्लो-ज़ांज़ीबार युद्धः विश्व इतिहास में सबसे छोटा युद्ध (09:00 से 09:45), यूनाइटेड किंगडम और ज़ांज़ीबार के बीच हुआ था.

1928 - केलॉग-ब्रैंड संधि युद्ध पर पंद्रह राष्ट्रों द्वारा हस्ताक्षर किए गए थे.

1933 - पहली अफ्रीकी बाइबिल ब्लोमफोंटिन में एक बाइबल महोत्सव के दौरान पेश की गई थी.

1939 - दुनिया का पहला जेट विमान टर्बोजेट संचालित हेइंकेल हे 178 ने पहली उड़ान भरी थी.

1943 - द्वितीय विश्व युद्धः द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जापानी सेना ने संचालन के प्रशांत रंगमंच में न्यू जॉर्जिया द्वीप को खाली कर दिया था.

1956 - यूनाइटेड किंगडम में काल्डर हॉल परमाणु ऊर्जा स्टेशन राष्ट्रीय बिजली ग्रिड से जुड़ा हुआ था जो औद्योगिक स्तर पर बिजली उत्पन्न करने के लिए दुनिया का पहला वाणिज्यिक परमाणु ऊर्जा स्टेशन बन गया था.

1962 - मैरिनर 2 मानव रहित अंतरिक्ष मिशन नासा द्वारा वीनस में लॉन्च किया गया था.

1975 - पुर्तगाली तिमोर के राज्यपाल ने अपनी राजधानी, दीली को त्याग दिया, और एक विद्रोही समूह पर नियंत्रण छोड़कर, अटौरो द्वीप पर चला गया था.

1976 - भारतीय सेना की प्रथम महिला जनरल मेजर जनरल जी अली राम मिलिट्री नर्सिंग सेवा की निदेशक नियुक्त हुई थी.

1982 - तुर्की सैन्य राजनयिक कर्नल अतीला अल्टीकिट को ओटावा में गोली मार दी गई थी.

जिन्दगी पर भारी पड़ती मोबाइल की लत

मोबाइल की लत बच्चों की दिनचर्या को एक दशक से बुरी तरह से प्रभावित कर रही है लेकिन अब तो यह जिन्दगी पर भी भारी पड़ने लगी है महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में एक महंगे आईफोन को पाने और उसकी किस्त चुकाने की एक किशोर छात्र की जिद में हंसते-खेलते परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई। पिछले दिनों हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में एक मां ने गेम न खेलने और मोबाइल फोन देने से इनकार किया तो 14 वर्षीय बेटे ने खुदकुशी कर ली। स्मार्ट फोन और इंटरनेट के दौर में अक्सर बच्चे मोबाइल फोन के एडिक्ट हो रहे हैं। खासकर बच्चे सबसे ज्यादा शिकार हो रहे हैं। मोबाइल एडिक्शन वर्तमान समय में एक बेहद गंभीर समस्या बन चुका है। इस एडिक्शन की वजह से मानसिक तनाव, नींद की कमी से युवाओं और बच्चों में शारीरिक एवं मानसिक विकास पर बुरा असर पड़ रहा है।

मनोज कुमार अग्रवाल

हाल के दिनों में मोबाइल फोन के अत्यधिक इस्तेमाल, विवाद या लत के कारण जान गंवाने की कई दर्दनाक घटनाएं सामने आई हैं। महाराष्ट्र की घटना ने समूचे देश के अभिभावकों को दहला दिया है। यहां मोबाइल को लेकर हुए विवाद के बाद एक 19 वर्षीय युवक ने पहाड़ से कूदने की धमकी दी। उसे बचाने की कोशिश में पहले उसके पिता और फिर सदमे में आकर मां की भी गहरी खाई में गिरने से मौत हो गई। एक पूरा परिवार एक मोबाइल के चक्कर में दुनिया से चला गया। कई बार तो मोबाइल की खातिर किशोर वय बच्चे बेहद संगीन अपराध को अंजाम दे रहे हैं। केरल में एक अन्य मामले में मोबाइल के इस्तेमाल पर रोक लगाने और डांटने से नाराज 13 वर्षीय बच्ची ने अपने साथियों के साथ मिलकर अपने ही नाना की हत्या करवा दी।

कई जगहों पर बच्चों या युवाओं द्वारा मोबाइल छीनने, फोन पर कहासुनी होने या नया फोन न मिलने पर आत्महत्या करने के दुखद समाचार मिलते रहते हैं।कुछ वारदातें जो हाल ही में सुर्खियों में रहीं जरा उन पर नजर डालते हैं। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के धर्मशाला में हाल ही में एक 14 साल के लड़के जान दे दी।

परिवार ने जब उसे फ्री फायर ऑनलाइन गेम खेलने से रोका तो नाराज होकर किशोर ने आत्मघाती कदम उठा लिया। फिलहाल, परिवार ने किसी पर कोई शक नहीं जताया है। पिता रवि कुमार ने बताया कि प्रिंस लगातार अपनी मां से मोबाइल फोन मांग रहा था, ताकि वह गेम खेल सके। मां ने उसे मोबाइल नहीं दिया और इसके बाद प्रिंस नाराज होकर अपने कमरे में चला गया परिवार ने यह कल्पना भी नहीं की थी कि नाराजगी में वह इतना बड़ा कदम उठा लेगा।प्रिंस के पिता रवि कुमार ने घटना के बाद अन्य

अभिभावकों से भावुक अपील करते हुए कहा कि उनका बेटा तो चला गया, लेकिन किसी और का बच्चा ऐसी घटना का शिकार न हो उन्होंने माता-पिता से बच्चों को मोबाइल फोन और गेमिंग की लत से दूर रखने का आग्रह किया। बिलासपुर छत्तीसगढ़ में भी एक दुखद घटना सामने आई है, जहां खराब मोबाइल तुरंत ठीक नहीं होने से नाराज 9वीं की छात्रा ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय पिता काम पर गए हुए थे। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार छात्रा अपने खराब मोबाइल को लेकर परेशान थी। पिता ने पैसे मिलने के बाद मोबाइल ठीक कराने की बात कही थी, जिसके कुछ देर बाद छात्रा ने यह आत्मघाती कदम उठा लिया। छत्तीसगढ़ में कबीरधाम जिले में दो अगस्त को एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। आठवीं कक्षा में पढ़ने वाली 14 साल की छात्रा ने मोबाइल चलाने को लेकर परिवार की डांट फटकार के बाद अपनी जान दे दी। घटना के बाद परिवार में मातम पसर गया। 3 अगस्त को यूपी के श्रावस्ती जिले में एक 16 वर्षीय छात्रा ने मोबाइल देखने को लेकर माँ की डांट से क्षुब्ध होकर फांसी लगा कर जान दे दी।

बाराबंकी जिले के करौंदा गांव में मोबाइल फोन का प्रयोग करने से मना किए जाने पर एक किशोर छात्रा ने गांव के सामुदायिक शौचालय में फंदे से लटक कर जान दे दी।वाराणसी में सिगरा थाना अंतर्गत लल्लापुरा क्षेत्र में एक मां ने अपनी बेटी को फोन पर ज्यादा बात करने से मना किया था, इसके बाद गुस्से में आकर बेटी ने फंदे से लटक कर अपनी जान दे दी। उरई के कोंच कस्बे के पटेल नगर में एक माह पहले संदिग्ध परिस्थितियों में 17 वर्षीय छात्रा का शव घर के आंगन में साड़ी के फंदे से लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना की वजह के बारे में बताया जा रहा है कि छात्रा बचपन से ही मामा के घर रह रही थी और मोबाइल पर बात करने को लेकर मामा ने उसे फटकारा था। केरल के चलक्का में 13 वर्षीय एक लड़की अपने घर में फंदे से लटकी मिली। उसके माता-पिता ने उसे मोबाइल फोन इस्तेमाल करने से कथित तौर पर रोका था, जिसके बाद यह घटना हुई। ये तो सिर्फ कुछ बानगी है देश भर में हर दिन बच्चे मोबाइल की लत के चलते जान गंवा रहे हैं। बच्चों में मोबाइल फोन की लत और उसके कारण होने वाले गंभीर परिणाम आज एक बेहद चिंताजनक सामाजिक समस्या बन चुके हैं। अत्यधिक स्क्रीन टाइम और ऑनलाइन गेम बच्चों में गुस्सा, आक्रामकता और मानसिक तनाव बढ़ा रहे हैं। कई बार मनपसंद फोन न मिलने या गेम के खतरनाक जाल में फंसकर बच्चे अपनी जान तक जोखिम में डाल लेते हैं और आत्मघाती कदम उठा रहे हैं। मोबाइल बच्चों के शारीरिक तथा मानसिक विकास में बाधक है इससे बच्चों की आंखें कमजोर होती हैं, नींद की कमी होती है और लिखना,पढ़ना व भाषाई विकास धीमा पड़ जाता है।

अपने बच्चों के भविष्य को बचाने के लिए जरूरी है कि माता पिता खुद जरूरत के अनुसार मोबाइल का उपयोग करें। बच्चे वही सीखते हैं जो वे अपने माता-पिता को करते देखते हैं।जब माता-पिता खुद रील स्क्रॉल करते रहेंगे या ओटीटी प्लेटफॉर्म पर व्यस्त रहेंगे तो बच्चों को कैसे अनुशासित करेंगे? छोटे बच्चों को फोन देने से बचें और बड़े बच्चों के लिए समय सीमा तय करें। इतना ही नहीं बच्चों को बाहर पार्क में खेलने के लिए प्रेरित करें और उन्हें किताबें या खिलौने दें।उनकी रूचि मोबाइल से हटाकर किसी कला,गार्डनिंग, पढ़ाई, खेल आदि के लिए प्रेरित करें। कई देशों ने मोबाइल के बच्चों के विकास पर घातक परिणामों को देखते हुए बच्चों के मोबाइल यूज पर पाबंदी लगा दी है कुछ ने समय सीमा तय की है। भारत सरकार को भी जेन अल्फा पीढ़ी बच्चों और किशोरों के संतुलित और स्वस्थ विकास के लिए इस ओर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। (विभूति फीचर्स)

आज का राशिफल

मेष- व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचा जाए तो अच्छा है। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंग। शुभांक-2-4-6

वृष- आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। मातृपक्ष के लोगो का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

मिथुन- आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। उतावलेपन से बचें। मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-3-6-8

कर्क- व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। शुभांक-1-5-9

सिंह- दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। खान-पान में विशेष सावधानी बरतें। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। विद्यार्थियों को लाभ। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। शुभांक-4-7-8

कन्या- मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार-विमर्श होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेगें। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-5-8-9

तुला- अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-4-6-7

वृश्चिक- आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-1-4-7

धनु- धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। शुभांक-2-4-5

मकर- परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-3-5-6

कुम्भ- शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताए भी बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। शुभांक-4-6-7

मीन- प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। शुभांक-2-5-7

स्नैचिंग, वाहन चोरी करने वाले से चोरी की बाइक बरामद

लोनी। ट्रोनिका सिटी थाना पुलिस ने चेकिंग के दौरान स्नैचिंग और वाहन चोरी की घटनाओं में शामिल आरोपी को सेक्टर सी-7 क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। कब्जे से चोरी की बाइक बरामद हुई है। एसीपी लोनी रामकिशन ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी ने अपना नाम इरफान अली (27) निवासी पूर्वी मुस्तफाबाद लोनी बताया है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने अपने साथी अनीश उर्फ धप्पो के साथ मिलकर इकराम नगर लोनी से बाइक चोरी की थी। आरोपी ने कुछ दिन पहले पीली बिल्डिंग के पास से मोबाइल छीना था। पुलिस ने बताया कि इरफान पर स्नैचिंग, बाइक चोरी, चोरी व एनडीपीएस एक्ट समेत आठ मुकदमे दर्ज हैं। संवाद

स्वरोजगार ऋण दिलाने का झांसा देकर 64 हजार रुपये ठगे, एक गिरफ्तार

गाजियाबाद। विजयनगर थाना क्षेत्र में स्वरोजगार योजना के तहत ऋण दिलाने का झांसा देकर एक मजदूर से 64,500 रुपये ठग लिए गए। पीड़ित संदीप जाटव ने आरोपी नीरज के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। एसीपी नगर कोतवाली उपासना पांडेय ने बताया कि सर्वोदय नगर में किराये पर रहने वाले संदीप जाटव मजदूरी करते हैं। उन्होंने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि कारोबार शुरू करने के लिए ऋण लेने के संबंध में यशपाल नामक व्यक्ति से बातचीत की थी। यशपाल ने उनकी मुलाकात नीरज से कराई। नीरज ने खुद को बैंकों से स्वरोजगार ऋण स्वीकृत कराने वाला बताया। आरोपी ने संदीप की पत्नी काजल को पांच लाख रुपये का मुद्रा लोन और सास अनीता को 10 लाख रुपये का बैंक ऋण दिलाने का आश्वासन दिया। इसके लिए फाइल चार्ज और आवेदन समेत अन्य खर्चों के नाम पर उनसे 64,500 रुपये ले लिए। रुपये लेने के बाद आरोपी ने ऋण स्वीकृत नहीं कराया और रकम भी वापस नहीं की। एसीपी ने बताया कि शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

सड़क पर बनाए फीडिंग पॉइंट लावारिस जानवरों का रहता है जमावड़ा

इंदिरापुरम। शहर की सड़कों पर आवारा मवेशियों और कुत्तों के कारण वाहन चालकों की परेशानी बढ़ गई है। लोगों का कहना है कि सड़क पर बड़ी संख्या में लावारिस गोवंश बैठे रहते हैं और इससे हादसे का खतरा बना रहता है। कई जगह सड़क पर लोगों ने डॉग फीडिंग पॉइंट बना दिए हैं। इससे कुत्ते सड़कों पर अकसर वाहनों के सामने आ जाते हैं। स्थानीय निवासी राकेश ने बताया कि कई अकसर सड़क पर लावारिस गोवंश खड़े रहते हैं और सबसे अधिक परेशानी रात में होती है। जब रोड पर लावारिस गोवंश खड़े रहते हैं और वाहन चालक टकराकर हादसाग्रस्त हो जाते हैं। कई जगह कुत्तों को खाना खिलाने के कारण हादसा पॉइंट बना दिए हैं। थोड़ी लापरवाही पर ही दोपहिया वाहन चालक दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं। स्थानीय निवासी आशीष तोमर ने बताया कि संबंधित विभाग से सड़क पर लावारिस मवेशियों के जमावड़े को रोकने के लिए कई बार मांग की है, लेकिन अभी तक कोई सुनवाई नहीं हुई। गोवंश और कुत्तों को भोजन कराना सराहनीय कार्य है, लेकिन सड़क को फीडिंग जोन नहीं बनाया जाना चाहिए।

महिला ने देवर पर लगाया जानलेवा हमले का आरोप, रिपोर्ट दर्ज

इंदिरापुरम। थानाक्षेत्र के कनावनी गांव में एक महिला ने अपने ही देवर पर ईंट से जानलेवा हमले का आरोप लगाया है। घटना 11 अगस्त को उस समय हुई जब वह बीमार ससुर को देखने पहुंची थी। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। कनावनी निवासी बबीता पत्नी चंद्रपाल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह पति और बच्चों के साथ इंदिरापुरम में रहती है। उन्हें पता चला कि ससुर की तबीयत खराब है तो वह बच्चों को साथ लेकर 11 अगस्त को कनावनी में उन्हें देखने गई थीं। घर में उनके देवर प्रमोद ने धारदार हथियार से बच्चे और उन पर जानलेवा हमला कर दिया। उन्होंने बेटे ने एक कमरे में घुसकर जान बचाई। वह मौका पाकर वहां से भागी तो देवर ने छत पर चढ़कर उन पर ईंटें फेंकी। एक ईंट उनके सिर में लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। एसीपी इंदिरापुरम सूर्यबली मौर्य ने बताया कि महिला की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। आरोपी को जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा। ब्यूरो

नौ वर्षीय बच्ची लापता, अपहरण का मामला दर्ज

साहिबाबाद। ट्रांस हिंडन के झंडापुर इलाके से नौ वर्षीय बच्ची कनक संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। परिजनों ने लिंक रोड थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2) के तहत अपहरण का मामला दर्ज कराया है। पुलिस के मुताबिक परिजनों ने बताया कि 22 अगस्त को कनक दोपहर में पड़ोस की परचून की दुकान पर कुछ सामान लेने गई थी। परिवार ने काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। पीड़ित मां ने 25 अगस्त को लिंक रोड थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। एसीपी साहिबाबाद अमित सक्सेना का कहना है कि बच्ची की तलाश में तीन टीमें जुटी है और आसपास के सीसीटीवी की फुटेज भी खंगाल रही है।

हिजाब पहने युवती संग बैठे युवक से मारपीट, आरोपी पकड़ से दूर

इंदिरापुरम। थानाक्षेत्र के एक पार्क में हिजाब पहने प्रेमिका के साथ बैठे युवक से दूसरे समुदाय के कुछ युवकों ने मारपीट के आरोपियों के आरोपियों को वीडियो वायरल होने के बाद भी पुलिस आरोपियों की तलाश नहीं कर सकी है। दो दिनों से जमकर वीडियो सोशल साइट्स पर वायरल हो रही है। हालांकि अमर उजाला इस वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। एसीपी सूर्यबली मौर्य ने बताया कि मौके पर सीसीटीवी कैमरा नहीं लगा है। मंगलवार को 53 सेकंड का पार्क में बना एक वीडियो तेजी से वायरल हो गया। इसमें शिवम नाम का एक युवक हिजाब पहनी युवती के साथ पहुंचा था। बताया जा रहा है कि वह उसकी प्रेमिका है, तभी दूसरे समुदाय के कुछ लोग पार्क में पहुंचकर युवक से मारपीट करते हैं। आरोपियों ने गाली-गलौच करते हुए युवक का नाम शिवम नाम से पुकारा और कहा कि उसके समुदाय की युवती खत्म हो गई हैं क्या। युवती ने माफी मांग कर मामले को शांत करने का प्रयास किया, लेकिन आरोपी युवक गाली-गलौच कर मारपीट करते हुए दिखे। एसीपी का कहना है कि वीडियो को संज्ञान में लेकर जांच की जा रही है। बुधवार शाम तक कोई शिकायतकर्ता सामने नहीं आया है, पुलिस अपने स्तर से जांच में जुटी है।

दिल्ली लक्ष्मी योजना का आगाज, 1 सितंबर से महिलाओं के खातों में आएंगे 2500 रुपये

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण और वित्तीय आत्मनिर्भरता की दिशा में बुधवार को दिल्ली लक्ष्मी योजना की शुरूआत की। तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा, उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने योजना का औपचारिक उद्घाटन किया। योजना के तहत सत्यापन के बाद 4,190 पात्र महिलाओं को स्वीकृति पत्र जारी किए गए हैं, जबकि 1 सितंबर से पात्र लाभार्थियों के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से हर माह 2,500 रुपये की आर्थिक सहायता पहुंचनी शुरू हो जाएगी। इस राशि का महिलाएं अपनी आवश्यकताओं और परिवार से जुड़े छोटे-बड़े खर्चों के लिए अपनी इच्छा के अनुसार उपयोग कर सकेंगी।

कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने 65 चयनित लाभार्थी महिलाओं को प्रतीकात्मक रूप से स्वीकृति पत्र प्रदान किए। ये स्वीकृति पत्र दिल्ली लक्ष्मी योजना के शुभारंभ के इस अवसर पर सरकार की ओर से महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण और उन्हें सम्मान एवं आत्मनिर्भरता के साथ आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता के प्रतीक बने। दिल्ली लक्ष्मी योजना का उद्देश्य 21 से 60 वर्ष की आयु वर्ग की, परिवार की वरिष्ठ पात्र महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान कर उनकी वित्तीय सुरक्षा, आत्मनिर्भरता एवं सशक्तीकरण को मजबूत करना है। योजना के अंतर्गत प्रत्येक पात्र महिला को 2,500 रुपये प्रति माह की वित्तीय सहायता प्रदान किए जाने का प्रावधान है।

केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी का अर्थ काम पूरा होने की गारंटी है और दिल्ली लक्ष्मी योजना का इसी संकल्प को पूरा करने का प्रमाण है। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में केंद्र सरकार देश की माताओं और बहनों के कल्याण एवं सशक्तीकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। वहीं मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार महिलाओं को आवश्यक सुविधाएं और आर्थिक अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। दिल्ली लक्ष्मी योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने, उनके आत्मसम्मान को बढ़ाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने मुख्यमंत्री को इस महत्वपूर्ण संकल्प को पूरा करने के लिए शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर दिल्ली के उपराज्यपाल सरदार तरनजीत सिंह संधू ने दिल्ली की सभी बहनों और बेटियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन के अवसर पर शुरू की गई यह योजना दिल्ली की महिलाओं के लिए एक विशेष सौगात है। गुरु नानक देव के विचारों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि जिस नारी ने महान राजाओं और महापुरुषों को जन्म दिया, उसे बुरा कैसे कहा जा सकता है। देश की लगभग आधी आबादी महिलाओं की है और विकसित दिल्ली एवं विकसित भारत के निर्माण में महिलाओं की बराबर की भागीदारी होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्र की शक्ति की विभिन्न धाराओं का विजन दिया है, जिसमें मैन्युफैक्चरिंग, कृषि, फूड प्रोसेसिंग, टेक्नोलॉजी, इनोवेशन, गतिशक्ति, रक्षा शक्ति, ग्रीन एवं ब्लू इकोनॉमी तथा सॉफ्ट पावर जैसे क्षेत्र शामिल हैं। इन सभी क्षेत्रों में नारी शक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका है। नारी शक्ति से ही राष्ट्र शक्ति का निर्माण संभव है। उपराज्यपाल ने कहा कि भारतीय परिवार व्यवस्था में महिलाओं को 'गृह लक्ष्मी' कहा जाता है। दिल्ली लक्ष्मी योजना इसी भावना को आगे बढ़ाते हुए महिलाओं के सम्मान, सशक्तीकरण और वित्तीय स्वतंत्रता को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

उन्होंने योजना में डिजिटल ट्रांसफर की व्यवस्था का स्वागत करते हुए कहा कि इससे लाभार्थी महिलाओं तक सहायता पहुंचाने में पारदर्शिता और प्रभावशीलता सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

फॉर्मेलिन मिलाकर तैयार कर रहे थे खोया, पिता-पुत्र पर केस

गाजियाबाद। रक्षाबंधन पर मिठाइयों की मांग बढ़ जाती है। इसमें कुछ लोग मुनाफे के लिए लोगों की सेहत के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। ऐसे ही मामले में खाद्य सुरक्षा विभाग ने भोजपुर के कलछिना में कार्रवाई की है। जहां खोए में फॉर्मेलिन मिलने की बात सामने आई है। डॉक्टरों के अनुसार इसके रसायन को खाने से धीरे-धीरे किडनी और शरीर के अन्य हिस्सों पर असर पड़ता है। मंगलवार रात को गाजियाबाद और मेरठ की टीम यहां जांच के लिए पहुंची थी। सहायक आयुक्त खाद्य सुरेश मिश्र ने बताया कि मौके से 160 किग्रा खोया, 5 बोरी स्किम्ड मिल्क पाउडर, सिंथेटिक कलर, फॉर्मेलिन, सोडियम बाई काबोर्नेट, 17 टीन वनस्पति मिला है। नौ सैंपल लेकर खोए को नष्ट कराया गया है। साथ ही मामले में हानिकारक या विषैली खाद्य सामग्री बेचने की धारा 275 समेत अन्य भोजपुर थाने में संचालक यामीन और उसके पुत्र रईस पर रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। दोनों कलछीना के ही रहने वाले हैं। जांच में सामने आया है कि फैक्टरी से त्योहारों पर हर दिन 800 किलो तक खोया तैयार किया जा रहा था। इसकी सप्लाई दिल्ली होती थी। यहां से रोजाना तीन गाड़ियों को खोया भेजा जा रहा था। जांच में सामने आया है कि आरोपियों के पास बीते चार वर्षों से उत्पादन के लिए लाइसेंस था। इसके नाम पर ही वह भी केमिकल से तैयार खोया और दूसरे उत्पाद तैयार कर बेच रहे थे। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि गाजियाबाद में वह सीधे किसी को खोया नहीं देते हैं। दिल्ली के कुछ बड़े मिष्ठान भंडार उनकी सप्लाई होती है। अधिकारी के अनुसार केमिकल से तैयार इस खोए की मिलावट की पहचान करना मुश्किल होता है। साथ ही बाजार में इसका दाम भी शुद्ध के आसपास ही रखा जाता है। इसमें तैयार करने वाले और कारोबारी से डेढ़ से दो गुना तक मुनाफा कमा रहे थे।

दिल्ली में कथित घोटालों को लेकर एक सितंबर को उपराज्यपाल से मुलाकात करेंगे आआपा विधायक: सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने दिल्ली में कथित घोटालों और स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर उपराज्यपाल से मुलाकात का समय मांगा था।

उन्होंने कहा कि आआपा के नेता अब एक सितंबर को शाम साढ़े चार बजे उपराज्यपाल से मिलने पहुंचेंगे।

आआपा दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि दिल्ली सरकार के करीब डेढ़ साल के कार्यकाल में कई घोटाले सामने आए हैं। उन्होंने सभी मामलों को लेकर उपराज्यपाल पर सवाल उठाया है।

सौरभ भारद्वाज ने दावा किया कि दिल्ली में स्वास्थ्य क्षेत्र में करीब 650 करोड़ रुपये, साइकिल खरीद में 90 करोड़ रुपये, चावल वितरण और स्कूल ट्रस्ट से जुड़े मामलों में कथित घोटाले सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि आआपा विधायक इन मुद्दों को लेकर उपराज्यपाल से मुलाकात करना चाहते हैं।

भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली की एसीबी और पुलिस उपराज्यपाल के अधीन हैं, तो आआपा की मांग है कि इन कथित मामलों की निष्पक्ष जांच कराई जाए। उन्होंने कहा कि आआपा ने उपराज्यपाल को पत्र लिखकर इन मामलों पर जांच कराने और मुलाकात के लिए समय देने की मांग की।

साइकिल खरीद को लेकर भारद्वाज ने दावा किया कि दिल्ली सरकार जिस साइकिल को 7,000 रुपये में खरीद रही है, उसे आआपा ने 4,000 रुपये में खरीदकर दिखाया है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि बाजार में साइकिल 4,000 रुपये में उपलब्ध है तो सरकारी खरीद में इसकी कीमत 3,000 रुपये के आसपास होनी चाहिए थी।

चावल वितरण को लेकर भी उन्होंने आरोप लगाया कि यदि गरीब परिवारों को उनका निर्धारित चावल मिलता तो प्रत्येक परिवार को करीब 28 किलो चावल मिल सकता था।

सौरभ भारद्वाज ने दिल्ली की स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि शहर में स्वाइन फ्लू के मामले सामने आ रहे हैं, जबकि अस्पतालों में दवाइयों की कमी और डॉक्टरों की उपलब्धता को लेकर समस्याएं हैं। उन्होंने कहा कि आआपा इन मुद्दों पर सरकार और उपराज्यपाल से जवाब मांगती रहेगी।

भारद्वाज ने बताया कि आआपा नेताओं के राज निवास पहुंचने के बाद उन्हें जानकारी दी गई कि उपराज्यपाल एक सितंबर को उनसे मुलाकात करेंगे।

पेपर मार्ट में लगी आग, दमकल विभाग ने पाया काबू

साहिबाबाद। कड़कड़ मॉडल साइट-4 स्थित यक्षित पेपर मार्ट में बुधवार सुबह आग लग गई। फैक्टरी में रखे पेपर रोल आग की चपेट में आने से विकराल रूप धारण कर लिया। सूचना पर तीन फायर टेंडर मौके पर भेजे गए। दमकलकर्मियों ने कड़ी मशक्कत से आग पर काबू पाया। हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आग कैसे लगी, इसकी भी जांच की जा रही है। सीएफओ राहुल पाल ने बताया कि सुबह करीब साढ़े पांच बजे कड़कड़ मॉडल साइट-4 में स्थित पब्लिक स्कूल के पास यक्षित पेपर मार्ट में आग लगने की सूचना मिली थी। प्रभारी अधिकारी फायर स्टेशन साहिबाबाद तीन फायर टेंडर के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। मौके पर फैक्टरी के अंदर रखे पेपर रोल से आग की लपटें उठ रही थी। इससे आसपास की फैक्टरियों तक आग पहुंचने का खतरा बना हुआ था। दमकल कर्मियों आग की भयावहता को देखते हुए फायर स्टेशन वैशाली से अतिरिक्त गाड़ी को भी मौके पर बुलाया। पेपर रोल के अंदर तक आग पहुंच जाने के कारण उसे बुझाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। इसके लिए जेसीबी की मदद से पेपर रोल को उलट-पलटकर अंदर दबी आग पर पानी डाला गया।

जिले की एक लाख से अधिक बुजुर्ग महिलाएं बसों में ले सकेंगी निशुल्क सफर का लाभ

साहिबाबाद। उत्तर प्रदेश सरकार ने 60 वर्ष या अधिक आयु की महिलाओं के लिए रोडवेज बसों में आजीवन निशुल्क यात्रा का जिले की एक लाख से अधिक महिलाएं लाभ ले सकेंगी। हालांकि इसका लाभ लेने के लिए बुजुर्ग महिलाओं को अपने साथ आधार कार्ड लेकर चलना होगा। ताकि रोडवेज के परिचालक बुजुर्गों को निशुल्क यात्रा का टिकट बनाकर दे सकें। बुधवार को कौशांबी डिपो पर यात्रा करने पहुंची बुजुर्ग महिलाओं ने योगी सरकार के इस फैसले पर खुशी जताई और कहा कि अब उन्हें कहीं आने-जाने के लिए बच्चों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। इससे वह न सिर्फ अपने मायके बल्कि बेटी और अन्य रिश्तेदारियों में भी जा सकेंगी।

दरअसल, प्रदेश सरकार की ओर से लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा योजना शुरू की गई है। इसमें का लाभ उठाने के लिए बुजुर्ग महिलाओं को सफर के दौरान अपना आधार कार्ड साथ रखना होगा। इससे उनकी उम्र की पहचान हो सकेगी। जिले के एक प्रशासनिक अधिकारी ने नाम न छापने के अनुरोध पर बताया कि गाजियाबाद में एक लाख से अधिक बुजुर्ग महिलाएं हैं। जो इस योजना का लाभ ले सकेंगी। वहीं, डिपो पर बुजुर्ग धनवंती ने बताया कि मायके या किसी रिश्तेदारी में जाने के लिए किराये को लेकर सोचना पड़ता था। कई बार किराये को लेकर यात्रा भी निरस्त कर दी जाती थी, लेकिन अब योगी सरकार ने ऐसा काम किया है कि वह न केवल रिश्तेदारियों में बल्कि प्रदेश के तीर्थस्थानों पर भी जा सकेंगी।

अब तक बुजुर्ग महिलाओं की बसों में यात्रा करने की कोई गणना रिपोर्ट नहीं है। 27 से 29 तक सभी महिलाओं के लिए यात्रा निशुल्क है, लेकिन 29 अगस्त के बाद बसों में बुजुर्ग महिलाओं के सफर की गणना शुरू हो सकेगी। हालांकि इससे परिवहन निगम को कोई नुकसान नहीं होगा। चूंकि योजना के एवज में प्रदेश सरकार परिवहन निगम को 22.5 करोड़ का प्रतिमाह भुगतान करेगी। --केसरी नंदन चौधरी, क्षेत्रीय प्रबंधक, परिवहन निगम।

बुजुर्ग महिलाओं की प्रतिक्रिया

गुलावठी के लिए बस पकड़ने कौशांबी डिपो पर पहुंची सुखबीरी देवी ने कहा कि सरकार की यह योजना की जितनी प्रशंसा की जाए उतना कम है। वह राखी लेकर मायके जा रहीं हैं, मालूम होता तो आधार कार्ड रख लेतीं।

एटा जा रही कुसुम ने कहा कि सरकार ने बुजुर्ग के हित में बड़ा कदम उठाया है। पहले सफर करने के लिए किराये का इंतजाम करना पड़ता था, पहली बार किसी सरकार ने बुजुर्ग महिलाओं के लिए कुछ अच्छा किया है।

बिनोद कुमारी मैनपुरी जा रहीं थीं, उन्होंने कहा कि योजना लंबे समय तक चलती रहे यही चाहती हूं, ऐसा न हो कि सरकार बदलने पर बुजुर्गों की इस सेवा को भी बंद कर दिया जाए।

एमसीडी पार्कों के रखरखाव के लिए पार्षद से मंजूरी लेने का फैसला तानाशाहीपूर्ण: देवेंद्र

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने एमसीडी पार्कों के रखरखाव के लिए इलाके के पार्षद से मंजूरी लेने के फैसले को तानाशाहीपूर्ण बताया है। उन्होंने कहा कि टउऊका यह कदम पीछे ले जाने वाला है। इसके तहत, पार्कों को साफ-सुथरा रखने में निगम की मदद करने के लिए रेसिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन को प्रोत्साहित करने के बजाय, उनसे इलाके के पार्षद की मंजूरी लेना जरूरी कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि जब दिल्ली में कांग्रेस सत्ता में थी, तो भागीदारी योजना के जजरिए आरडब्ल्यूए को सामाजिक काम करने के लिए पूरा समर्थन दिया जाता था, ताकि नागरिक प्रबंधन और आस-पड़ोस की सफाई में नागरिकों की भागीदारी को बढ़ावा मिल सके।

देवेंद्र यादव ने कहा कि एमसीडी ने खास नियमों के तहत म्युनिसिपल पार्कों को विकसित करने और उनकी देखभाल के लिए आर्थिक मदद या औपचारिक साझेदारी चाहने वाली आरडब्ल्यूए के लिए इलाके के पार्षद या मेयर से मंजूरी लेना जरूरी कर दिया है। इससे निवासियों के भले के लिए कोई भी जनसेवा करने के प्रति कई आरडब्ल्यूए का उत्साह कम हो जाएगा। यादव ने कहा कि कई पार्षद अपने-अपने वार्डों की सही देखभाल और विकास के लिए सौंपे गए कामों को भी पूरा नहीं कर पाते हैं, इसलिए उन पर अतिरिक्त जिम्मेदारी का बोझ डालने से उनके पहले से सौंपे गए कामों में रुकावट आएगी।

उन्होंने कहा कि निगम पार्कों को गोद लेने और उनकी देखभाल के लिए आरडब्ल्यूए की ओर से दी जाने वाली अर्जियों में आम तौर पर स्थानीय पार्षद या मेयर की सहमति या मंजूरी की जरूरत होती है, जिससे न सिर्फ.काम में देरी होगी, बल्कि भ्रष्टाचार भी बढ़ेगा। कांग्रेस नेता ने कहा कि पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत आरडब्ल्यूए को स्टैंडर्ड मेंटेनेंस चार्ज (जैसे 13,500 प्रति एकड़ प्रति महीना) और सिविक वेस्ट सेंटरों से मुफ्त खाद मिलती है, लेकिन जब इलाके के काउंसलर इसमें शामिल होते हैं.

बुजुर्ग माता-पिता पर अत्याचार करने वाली संतान होगी संपत्ति से बेदखल, योगी सरकार का बड़ा फैसला

लखनऊ, एजेंसी। यूपी में देखभाल न करने वाले या अत्याचार करने वाले बच्चों को अब वृद्ध माता-पिता अपनी संपत्ति से आसानी से बेदखल कर सकेंगे। प्रदेश सरकार ने वरिष्ठ नागरिकों के सम्मानजनक जीवन और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए 'उत्तर प्रदेश माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण तथा कल्याण नियमावली-2014' में संशोधन करते हुए नियम 22 में नियम 22-क, 22-ख और 22-ग जोड़ने का निर्णय लिया है। मंगलवार को कैबिनेट ने इस प्रस्ताव को स्वीकृति दी है। प्रदेश में केंद्र सरकार का माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण तथा कल्याण अधिनियम 2007 लागू है। इसे प्रदेश में वर्ष 2012 से लागू किया गया था और वर्ष 2014 में इसकी नियमावली जारी की गई थी।

योगी कैबिनेट का बड़ा फैसला: पूर्व में प्रदेश में गठित राज्य सप्तम विधि आयोग ने इस नियमावली में तीन संशोधनों की सिफारिश चार दिसंबर 2020 को की थी। विधि आयोग ने वर्ष 2014 में बनी

नियमावली को केंद्रीय अधिनियम के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं माना था। विधि आयोग ने नियमावली के नियम 22 में तीन और नियम 22-क, 22-ख व 22-ग बढ़ाने की सिफारिश की थी। कैबिनेट से स्वीकृत नए प्रविधानों के तहत यदि किसी भी वरिष्ठ नागरिक की संतान या उनके अन्य आश्रित रिश्तेदार उनका भरण-पोषण नहीं कर रहे हैं या उनके साथ किसी तरह का दुर्व्यवहार कर रहे हैं तो पीड़ित बुजुर्ग उन्हें अपनी संपत्ति (स्व अर्जित संपत्ति) से बेदखल कर सकेंगे।

शिकायतों की 30 दिनों में होगी सुनवाई: ऐसे मामलों में जिला स्तरीय भरण-पोषण अधिकरण के समक्ष शिकायत की जा सकेगी और उन्हें इस प्रकार के सभी मामलों की मासिक रिपोर्ट सरकार को देनी होगी। शिकायतों की सुनवाई 30 दिन के अंदर की जाएगी, ताकि बुजुर्गों को न्याय के लिए लंबे समय तक इंतजार न करना पड़े। अगर वरिष्ठ नागरिक स्वयं आवेदन करने में असमर्थ हैं तो कोई संस्था भी उनकी ओर से ऐसा आवेदन दाखिल कर सकती है। अधिकरण को यह अधिकार होगा कि वे बेदखली का आदेश जारी कर सकें। यदि कोई व्यक्ति आदेश जारी होने से 30 दिनों के अंदर वरिष्ठ नागरिक की संपत्ति से बेदखली आदेश को नहीं मानता है तो अधिकरण उस संपत्ति पर पुलिस की मदद से कब्जा कर सकता है।

पुलिस को भी जारी किए निर्देश

संबंधित पुलिस भी बेदखली आदेश का पालन कराने के लिए बाध्य होगी। अधिकरण ऐसी संपत्ति को बुजुर्ग को सौंप देगा। जिला मजिस्ट्रेट अगले माह की सात तारीख तक ऐसे मामलों की मासिक रिपोर्ट सरकार को भेजेंगे। वहीं अधिकरण के आदेश के खिलाफ वरिष्ठ नागरिक जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित अपीलीय अधिकरण में अपील कर सकते हैं।

सरकार जल्द जारी करेगी टोल फ्री नंबर : वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि बुजुर्गों को इस व्यवस्था का लाभ आसानी से मिल सके, इसके लिए बेदखली की प्रक्रिया को स्पष्ट और समयबद्ध बनाया गया है। जल्द ही सरकार एक टोल फ्री नंबर भी जारी करेगी, ताकि यदि कोई वरिष्ठ नागरिक स्वयं जाकर शिकायत करने में सक्षम न हो तो उसे आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

रक्षाबंधन पर दिल्ली के बाजारों में रौनक, 4 हजार करोड़ के कारोबार का अनुमान, राखियों से गिफ्ट तक खूब खरीदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षाबंधन में अब कुछ ही दिन बचे हैं। इसके साथ ही दिल्ली समेत देशभर के बाजारों में खरीदारी तेज हो गई है। शाम के समय बाजारों में सबसे ज्यादा भीड़ दिखाई दे रही है। कंफेडरेशन आफ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के मुताबिक, इस साल केवल राखियों का कारोबार देशभर में करीब 25 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। उपहार, मिठाई, कपड़े, इलेक्ट्रानिक्स, ड्राई फ्रूट्स और सजावटी सामान को जोड़ दें तो रक्षाबंधन से जुड़ा कुल कारोबार 30 हजार करोड़ रुपये से अधिक हो सकता है। वहीं, कैट ने दिल्ली में रक्षाबंधन पर करीब चार हजार करोड़ रुपये का कारोबार होने का अनुमान जताया है। रक्षाबंधन को लेकर राजधानी में चांदनी चौक, सदर बाजार, करोल बाग, लाजपत नगर, खान मार्केट, कमला नगर, राजौरी गार्डन और गांधी नगर समेत कई बाजारों में त्योहार की रौनक देखने को मिल रही है।

अहमदाबाद-मुंबई बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट में देरी के चलते दोगुना हुआ बजट

अहमदाबाद, एजेंसी। अहमदाबाद-मुंबई बुलेट ट्रेन की शुरुआत अब कुछ ही महीनों में होने वाली है। इस प्रोजेक्ट के 2030 में पूरा होने की उम्मीद है, लेकिन कॉरिडोर के पहले हिस्से को अगस्त 2027 में चालू करने की योजना है। अहमदाबाद-मुंबई बुलेट ट्रेन की शुरुआती लागत का अनुमान 1.1 लाख करोड़ रुपये लगाया गया था। वहीं अब इसे संशोधित करके करीब 2.1 लाख करोड़ रुपये कर दिया गया है।

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट का खर्चा बढ़ा: टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, 508 किलोमीटर लंबी हाई-स्पीड रेल लाइन की संशोधित लागत को मंजूरी दिलाने का प्रस्ताव मंगलवार, 25 अगस्त को कैबिनेट के सामने रखा गया था। हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक के फैसलों पर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं आई है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, रेल मंत्रालय ने इस लागत के बढ़ने का मुख्य कारण महाराष्ट्र में जमीन अधिग्रहण में लगा समय और जापान से ट्रेन सेट मिलने में हुई देरी बताई है। देखा जाए तो अहमदाबाद-मुंबई बुलेट ट्रेन की अनुमानित लागत करीब दोगुनी हो गई है। 1.1 लाख करोड़ रुपये से 2.1 लाख करोड़ रुपये हो जाने से रेल मंत्रालय को अतिरिक्त फंड की जरूरत है। सूत्रों के मुताबिक, यह अतिरिक्त फंड बजट से दिया जा सकता है। इस प्रोजेक्ट के लिए अब तक 1.1 लाख करोड़ रुपये की फंडिंग जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी और बजट आवंटन से हुई है। उन्होंने कहा कि रेलवे ने बताया है कि हाई-स्पीड ट्रेनें भारत में बनाई जाएंगी और हर ट्रेन की लागत लगभग 390 करोड़ रुपये से 400 करोड़ रुपये होगी।

बुलेट ट्रेन की लागत बढ़ने के क्या हैं कारण

जनवरी में, रेलवे बोर्ड के चेयरमैन सतीश कुमार ने कहा था कि प्रोजेक्ट की लागत लगभग 83 प्रतिशत बढ़कर 1.98 लाख करोड़ रुपये हो गई है। जमीन अधिग्रहण में देरी, जरूरी मंजूरियां मिलने में देरी और ट्रेनों को अंतिम रूप देने में देरी समेत कई कारणों से इस प्रोजेक्ट में समय और लागत दोनों बढ़े हैं।

उत्तराखंड की नई सहकारी नीति को कैबिनेट की हरी झंडी, गांवों और युवाओं के लिए बेहद खास

देहरादून, एजेंसी। राष्ट्रीय सहकारी नीति के अनुरूप उत्तराखंड की नई सहकारी नीति को कैबिनेट ने हरी झंडी दे दी है। सहकार से समृद्धि के दृष्टिगत नीति में सहकारिता आधारित ग्रामीण विकास, उद्यमिता, रोजगार सृजन व आर्थिक आत्मनिर्भरता को मजबूत बनाने पर जोर दिया गया है। वर्ष 2036 तक तीन चरणों में लागू होने वाली यह नीति सात रणनीतिक स्तंभों पर केंद्रित है। इनमें सहकारिता की बुनियाद को मजबूती, संस्थाओं की जीवंतता, भविष्य के लिए तैयारी, समावेशिता, नए क्षेत्रों में विस्तार, युवाओं को जोड़ना, आर्थिक व्यवहार्यता और विविधीकरण शामिल हैं।

पेक्स को बनाया जाएगा बहुद्देशीय ग्रामीण आर्थिक केंद्र: गांव-गांव में सहकारिता को बढ़ावा देने के दृष्टिगत नीति के तहत पेक्स को बहुद्देशीय ग्रामीण आर्थिक केंद्र बनाया जाएगा। इनके माध्यम से कृषि, उद्यान, डेयरी, बागवानी, मत्स्य, भंडारण, कोल्ड-चेन, प्राथमिक प्रसंस्करण, कृषि यंत्र किराया, बीमा, पेंशन और डिजिटल बैंकिंग जैसी

सेवाएं सहकारी नेटवर्क से जोड़ी जाएंगी। साथ ही हिमालयी उत्पादों के प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और विपणन के लिए क्लस्टर माडल को बढ़ावा मिलेगा। महिलाओं और युवाओं की भागीदारी बढ़ाने को महिला सहकारी समितियों, सहकारी स्टार्टअप, इंटर्नशिप, कौशल विकास और उद्यमिता को प्रोत्साहन पर जोर दिया गया है। पर्यटन, होमस्टे, ईको टूरिज्म, आयुष, सौर ऊर्जा, जैविक खेती, कार्बन क्रेडिट, वन उत्पाद, स्वास्थ्य, ड्रोन, एआई, हस्तशिल्प और परिवहन में भी सहकारी माडल विकसित होंगे। सहकार टैक्सी को बढ़ावा दिया जाएगा। पलायन रोकथाम को वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम को सहकारिता से जोड़ा जाएगा। हब एंड स्पोक माडल से दुर्गम क्षेत्रों में सेवाओं की पहुंच बढ़ेगी। साथ ही कागजरहित कार्यप्रणाली, रियल-टाइम लेखांकन, डिजिटल बैंकिंग, क्लाउड सीबीएस और डिजिटल डैशबोर्ड आधारित निगरानी को बढ़ावा मिलेगा। सहकारिता मंत्री डा. धन सिंह रावत ने कहा कि उत्तराखंड अपने विशिष्ट हिमालयी सहकारिता माडल की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

अन्य विभागों में भेजे जाएंगे टीडीसी के 85 कार्मिक: उत्तराखंड बीज एवं तराई विकास निगम लि. (टीडीसी) में कार्यरत तृतीय श्रेणी के 22 व चतुर्थ श्रेणी के 63 कार्मिकों को नैनीताल व ऊधम सिंह नगर जिलों में अन्य विभागों में सेवा स्थानांतरण के आधार पर भेजा जा सकेगा। कैबिनेट ने कृषि विभाग के इस प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी है। इससे टीडीसी को प्रतिवर्ष हो रहे घाटे को रोकने में मदद मिलेगी। असल में टीडीसी में इन कार्मिकों की उपयोगिता सीजनल होती है। अन्य विभागों में इन्हें अधिकतम 10 वर्ष अथवा सेवानिवृत्ति से तीन माह पहले तक के लिए भेजा जाएगा।

यूयूएसडीए के ढांचे में 94 अस्थायी पदों का सृजन

कोटद्वार, चंपावत, टनकपुर, किच्छा, पिथौरागढ़, रुद्रपुर, काशीपुर, सितागंज नगर निकायों में एडीबी, ईआईबी से वित्त पोषित पेयजल व सीवेज और ऋषिकेश में जर्मन बैंक केएफडब्लू से वित्त पोषित सड़क, सीवेज, स्ट्रीट लाइट, सार्वजनिक परिवहन, पेयजल, घाटों का सुंदरीकरण जैसे कार्यों में अब तेजी आएगी।

न्यूयार्क में तिलक से स्वागत: मैडिसन स्क्वायर गार्डन में संबोधन

मोहन भागवत के तीन देशों के दौरे पर टिकी नजरें

अल्बानी, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत मंगलवार को न्यूयॉर्क पहुंचे। यह उनके तीन देशों अमेरिका, कनाडा और यूनाइटेड किंगडम के ग्लोबल आउटरीच दौरे का पहला चरण है। संघ के शताब्दी वर्ष समारोह के तहत स्थानीय संगठनों के निमंत्रण पर हो रहे इस दौरे के दौरान भागवत भारतीय समुदाय के लोगों के साथ-साथ स्थानीय संगठनों के प्रतिनिधियों से भी संवाद करेंगे। न्यूयॉर्क पहुंचने पर उनका पारंपरिक तरीके से तिलक लगाकर गर्मजोशी से स्वागत

किया गया।मैडिसन स्क्वायर गार्डन में होगा बड़ा आयोजनमोहन भागवत शनिवार को न्यूयॉर्क शहर के प्रसिद्ध मैडिसन स्क्वायर गार्डन में 'यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन्स' यानी 'सार्वभौमिक एकता समारोह' को संबोधित करेंगे। यह एक बड़े और विविध समुदाय की भागीदारी वाला कार्यक्रम होगा, जिसका आयोजन 'अमेरिकन हिंदूज़ फॉर एंगेजमेंट एंड डायलॉग' फोरम की ओर से किया जा रहा है। भागवत के इस संबोधन को लेकर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काफी दिलचस्पी देखी जा रही है। यह आयोजन एकता, नागरिक कर्तव्य और वैश्विक सद्भाव जैसे आधुनिक विचारों के साथ हिंदू त्योहार रक्षाबंधन की पारंपरिक भावना को जोड़ते हुए मनाया जाएगा।सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ विभिन्न धर्मों के प्रतिनिधि भी होंगे शामिलआयोजकों के मुताबिक, कार्यक्रम में दिन की थीम के अनुरूप विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी आयोजित की जाएंगी। इसके अलावा अलग-अलग धर्मों के प्रमुख वक्ता भी समारोह में शामिल होंगे और एकता तथा वैश्विक सद्भाव का संदेश देंगे।25 अगस्त से शुरू हुआ तीन देशों का दौराइससे पहले के प्रचार प्रमुख सुनील अंबेडकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए बताया था कि मोहन भागवत 25 अगस्त 2026 से अमेरिका, कनाडा और यूनाइटेड किंगडम के दौरे पर रहेंगे। यह यात्रा इन देशों में सक्रिय स्थानीय संघ इकाइयों और विभिन्न संगठनों के निमंत्रण पर आयोजित की जा रही है। उन्होंने पोस्ट में लिखा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत 25 अगस्त 2026 से अमेरिका, कनाडा और यूनाइटेड किंगडम का दौरा करेंगे। यह दौरा वहां के स्थानीय संघों और संगठनों के निमंत्रण पर हो रहा है। यह यात्रा के चल रहे शताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित की जा रही है। भागवत के अमेरिका पहुंचने से पहले को लेकर अमेरिकी संस्था 'यूनाइटेड स्टेट्स कमीशन ऑन इंटरनेशनल रिलीजियस फ्रीडम' की हालिया टिप्पणियों पर भारत के विदेश मंत्रालय ने कड़ी प्रतिक्रिया दी।

पाकिस्तान के रेस्तरां में दिखा AI का कमाल: रेस्तरां में 'राबिया' और 'जोजो' परोस रहे खाना, ग्राहकों में बढ़ा क्रेज

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान में रोबोट अब सिर्फ तकनीक का हिस्सा नहीं रह गए हैं, बल्कि रेस्तरां में ग्राहकों को खाना परोसने का काम भी करने लगे हैं। कराची, लाहौर और मुल्तान के कई रेस्तरां में स्थानीय स्टार्टअप द्वारा बनाए गए मानवनुमा रोबोट इस्तेमाल किए जा रहे हैं। मुल्तान स्थित स्टार्टअप कोबोट के संस्थापक और इलेक्ट्रिकल इंजीनियर सैयद उसामा अजीज का लक्ष्य पाकिस्तान के उपभोक्ता बाजार में मानवनुमा रोबोट के इस्तेमाल को लोकप्रिय बनाना है। राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय से स्नातक अजीज ने मंगलवार को कहा, हम हार्डवेयर, सर्किट बोर्ड और फाइबरग्लास बॉडी का इस्तेमाल कर स्थानीय स्तर पर रोबोट बनाते हैं। हम उनकी प्रोग्रामिंग भी करते हैं। उन्होंने बताया कि ये रोबोट बैटरी से चलते हैं और इन्हें संचालित करना आसान है। किसी खास काम के लिए एक एप्लिकेशन डाउनलोड करनी होती है। अजीज हाल में कराची आए थे, जहां उनके बनाए दो मानवनुमा रोबोट राबिया और जोजो एक लोकप्रिय रेस्तरां द सिसिलियन में ग्राहकों को खाना परोस रहे हैं। इनके वीडियो सोशल मीडिया पर आने के बाद रेस्तरां में ग्राहकों की दिलचस्पी बढ़ गई है। सफेद गोलाकार सिर और विजर हेलमेट वाले ये रोबोट रेस्तरां में

घूमते हुए पिज्जा, बर्गर और अन्य खाद्य पदार्थों से भरी ट्रे ग्राहकों की मेज तक पहुंचाते हैं। रेस्तरां के संचालन प्रबंधक अली जैदी ने कहा कि खासकर कई ग्राहक अब इस अनुरोध के साथ आ रहे हैं कि उन्हें खाना राबिया और जोजो परोसें। उन्होंने कहा, ग्राहक, खासकर बच्चे, रोबोट को खाना परोसते देखकर काफी उत्साहित होते हैं। अजीज ने कहा कि पाकिस्तान में लोग अब यह समझने लगे हैं कि रोबोट का इस्तेमाल उपभोक्ता सेवाओं में सहायक के रूप में किया जा सकता है। उन्होंने बताया, हमने 2018 में मुल्तान के एक रेस्तरां में अपना पहला रोबोट पेश किया था, लेकिन तब यह विचार सफल नहीं हो पाया। हमारे रोबोट से जुड़ी कुछ समस्याएं थीं।

भारत-कनाडा संबंध: सीतारमण टोरंटो पहुंची

वाशिंगटन, एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मंगलवार को टोरंटो पहुंचीं। वह चार दिन के दौरे पर हैं। इस दौरान वह पहली भारत-कनाडा आर्थिक और वित्तीय संवाद में हिस्सा लेंगी। इसके बाद वह अमेरिका जाएंगी। वहां जी-20 देशों के वित्त मंत्रियों की बैठक में शामिल होंगी। टोरंटो पियर्सन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भारत के महावाणिज्य दूत महावीर सिंघवी ने उनका स्वागत किया। सीतारमण कनाडा के वित्त मंत्री फ्रांस्वा-फिलिप शैंपेन के साथ पहली आर्थिक और वित्तीय संवाद में हिस्सा लेंगी।किन मुद्दों पर होगी बातएक आधिकारिक बयान के अनुसार, इस संवाद में दोनों देश कई अहम मुद्दों पर अपने विचार रखेंगे। इनमें बड़ी आर्थिक स्थिति से जुड़े बदलाव शामिल हैं। वित्तीय क्षेत्र में सहयोग भी इसमें शामिल है। दोनों देशों के बीच निवेश के अवसरों पर भी चर्चा में होंगे। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साझा प्राथमिकताओं पर भी बात होगी।इस संवाद का एक और मकसद भारत और कनाडा के बीच नए सिरे से मजबूत हो रही आर्थिक और वित्तीय साझेदारी को और मजबूत करना है। सीतारमण बड़े कारोबारों के प्रमुखों के साथ निवेश को लेकर एक बैठक में भी हिस्सा लेंगी। इसमें ऊर्जा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और महत्वपूर्ण खनिज जैसे क्षेत्रों के प्रमुख लोग शामिल होंगे।निवेश के कौन से मौके तलाशे जाएंगे बैठक में कारोबार से कारोबार के बीच संबंध बढ़ाने की कोशिश होगी। निवेश के नए मौके तलाशे जाएंगे। भारत और कनाडा के बीच लंबे समय की कारोबारी साझेदारी को बढ़ावा देने पर भी बात होगी। इसमें गिफ्ट सिटी-आईएफएससी में निवेश के मौके भी शामिल हैं।एक दूसरी व्यापारिक बैठक में सीतारमण कनाडा के बड़े कारोबारियों से बात करेंगी। इसमें भारत और कनाडा के बीच सहयोग के मौकों पर चर्चा होगी। लंबे समय के निवेश पर भी बात होगी। वित्तीय क्षेत्र की बढ़त पर भी चर्चा होगी।बैंकिंग क्षेत्र में क्या चर्चा होगीभारतीय सरकारी क्षेत्र के बैंकों के वरिष्ठ प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी भी इन चर्चाओं में हिस्सा लेंगे। इससे वित्तीय क्षेत्र में दोनों देशों के बीच ज्यादा सहयोग के रास्ते तलाशने का मौका मिलेगा। निवेश से जुड़े संबंध बढ़ाने के रास्ते भी खोजे जाएंगे।

युद्ध बढ़ेगा तो भूख भी: भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को चेताया- संघर्ष रोकें, वरना बढ़ेगा खाद्य संकट

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से संघर्षों के कारण पैदा होने वाले मानवीय संकट को कम करने को अपनी पहली प्राथमिकता बनाने की अपील की है। भारत ने चेताया कि ऊर्जा, उर्वरक, समुद्री परिवहन और कृषि व्यापार में रुकावटें वैश्विक खाद्य सुरक्षा को प्रभावित कर रही हैं, जिसका सबसे ज्यादा असर आयात पर निर्भर विकासशील देशों पर पड़ रहा है। वहीं, संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने यूक्रेन, होर्मुज जलडमरूमध्य और लाल सागर से जुड़ी परिस्थितियों को खाद्य आपूर्ति के लिए गंभीर खतरा बताते हुए सुरक्षित समुद्री कॉरिडोर और जहाजों के सत्यापन की व्यवस्था का प्रस्ताव रखा

है।संघर्षों का असर अब युद्धक्षेत्र तक सीमित नहींभारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने मंगलवार को कहा कि आजकल के संघर्षों का असर केवल लड़ाई वाली जगहों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि दूर-दूर तक फैलता है। ऊर्जा बाजार, उर्वरक की आपूर्ति, समुद्री परिवहन, मानवीय सहायता पहुंचाने की व्यवस्था और कृषि व्यापार में रुकावटों ने दिखाया है कि क्षेत्रीय संघर्ष किस तरह दुनिया भर में खाद्य सुरक्षा के लिए खतरा बन सकते हैं।विकासशील देशों पर सबसे ज्यादा पड़ रहा असरसुरक्षा परिषद में फूड अंडर फायर- ग्लोबल और लोकल फूड संकट को कम करने में सुरक्षा परिषद की भूमिका विषय पर हुई खुली बहस में पी. हरीश ने कहा कि जो विकासशील देश खाद्य आयात पर बहुत अधिक निर्भर हैं, उन्हें इन रुकावटों का सबसे ज्यादा खामियाजा भुगतना पड़ता है। परिषद की पहली प्राथमिकता संघर्ष से होने वाले मानवीय संकट को कम करना होना चाहिए। इसके लिए सुरक्षित, तेज और बिना किसी रुकावट के मानवीय सहायता पहुंचाने की सुविधा देनी होगी और संघर्ष-रोधी इंतजामों में मदद करनी होगी।प्रतिबंधों से मानवीय सहायता बाधित न होपी. हरीश ने कहा कि सुरक्षा परिषद को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि उसके उठाए गए कदम, जैसे प्रतिबंध, अनजाने में मानवीय सहायता या वैध खाद्य और कृषि व्यापार में रुकावट न डालें। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि मजबूत और खाद्य-सुरक्षित समाज का निर्माण मुख्य रूप से राष्ट्रीय सरकारों की जिम्मेदारी है। इसमें संयुक्त राष्ट्र का विकास तंत्र और रोम स्थित एजेंसियां सहायता करती हैं, न कि सुरक्षा परिषद।भारत ने अपनी खाद्य सुरक्षा योजनाओं का किया जिक्रहरीश ने खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में भारत की ओर से किए जा रहे प्रयासों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इन पहलों के जरिए भारत न केवल अपनी खाद्य सुरक्षा मजबूत कर रहा है, बल्कि वैश्विक खाद्य सुरक्षा में भी योगदान देने वाला देश बन रहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून सब्सिडी वाले अनाज का कानूनी अधिकार देता है। वहीं, कार्यक्रम के तहत 11 करोड़ से अधिक किसान परिवारों को सीधे लाभ पहुंचाने से छोटे और सीमांत किसानों की आर्थिक मजबूती बढ़ी है। उन्होंने इसे विविध और टिकाऊ खाद्य सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने आगे कहा कि डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और जलवायु-अनुकूल खेती के तरीकों से भारत न केवल खाद्य-सुरक्षित बना हुआ है।

रतलाम सराफा-व्यापारी को वाट्सएप पर जान से मारने की धमकी

10 वॉइस रिकॉर्डिंग भेजीं, 6 सेव कर पुलिस को दीं, किराना व्यापारी पर केस

रतलाम,एजेंसी। रतलाम शहर के सराफा बाजार में सराफा व्यापारी को वाट्सएप पर जान से मारने की धमकी मिलने के बाद सनसनी फैल गई। घास बाजार निवासी सराफा व्यापारी राकेश सकलेचा (57) ने धानमंडी निवासी किराना व्यापारी नितेश उर्फ पिंकू मिर्ची (45) के खिलाफ माणकचौक थाने में शिकायत दर्ज कराई है। व्यापारी का आरोप है कि आरोपी ने वाट्सएप पर गाली-गलौज करते हुए उसे जान से मारने की धमकी दी और करीब 10 वॉइस रिकॉर्डिंग भेजीं।

व्यापारी ने इनमें से 6 रिकॉर्डिंग सेव कर लीं। इन रिकॉर्डिंग को पेन ड्राइव में लेकर पुलिस को सौंपा गया है। साथ ही वाट्सएप पर भेजी गई रिकॉर्डिंग के स्क्रीनशॉट भी पुलिस को दिए गए हैं। पुलिस ने धमकी देने का केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

रात 10.16 बजे आया वाट्सएप कॉल, नहीं उठाया: राकेश सकलेचा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 24 अगस्त की रात करीब 10.16 बजे उनके वाट्सएप पर नितेश उर्फ पिंकू मिर्ची का वॉइस कॉल आया था। उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया। इसके करीब दो मिनट बाद 10.18 बजे वाट्सएप पर एक वॉइस रिकॉर्डिंग आई। व्यापारी के अनुसार, रिकॉर्डिंग सुनने पर उसमें नितेश गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दे रहा था। इसके बाद आरोपी की ओर से लगातार कई वॉइस रिकॉर्डिंग भेजी गईं।

10 रिकॉर्डिंग भेजीं, भेजते ही डिलीट करता रहा: व्यापारी के मुताबिक आरोपी ने वाट्सएप पर करीब 10 वॉइस रिकॉर्डिंग भेजीं। वह रिकॉर्डिंग भेजने के बाद उन्हें डिलीट भी कर रहा था। राकेश सकलेचा ने तत्काल कुछ रिकॉर्डिंग सेव कर लीं।

● पुलिस ने दर्ज किया केस, रिकॉर्डिंग की जांच होगी

माणकचौक थाना प्रभारी विक्रमसिंह चौहान ने बताया कि व्यापारी की शिकायत पर जान से मारने की धमकी देने का मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने उपलब्ध वॉइस रिकॉर्डिंग और अन्य साक्ष्यों को जांच में लिया है।पुलिस अब यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि धमकी किस विवाद को लेकर दी गई और आरोपी की ओर से भेजी गई रिकॉर्डिंग में क्या-क्या कहा गया है।

● झाबुआ के व्यापारी ने भी मार्च में कराई थी FIR

पुलिस जांच के दौरान आरोपी नितेश तलेरा से जुड़ा एक पुराना मामला भी सामने आया है। झाबुआ के प्रॉपर्टी और कपड़ा व्यवसायी संतोष देवड़ा (58) ने 30 मार्च को नितेश के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। संतोष देवड़ा के आरोप के मुताबिक, नितेश वाट्सएप कॉल के जरिए उनसे 370 किलो चांदी की मांग कर रहा था। जब उन्होंने पूछा कि वह उनसे चांदी किस लेन-देन के बदले मांग रहा है, तो आरोप है कि नितेश ने गाली-गलौज शुरू कर दी। व्यापारी के अनुसार, इसके बाद नितेश ने धमकी दी कि यदि 370 किलो चांदी नहीं दी तो वह उसे जान से खत्म कर देगा। इस मामले में भी व्यापारी ने कुछ वॉइस रिकॉर्डिंग पेन ड्राइव में सेव कर पुलिस को उपलब्ध कराई थीं।

● दो दिन पहले भी कॉल किए जाने की जानकारी

जानकारी के अनुसार, रतलाम के सराफा व्यापारी को धमकी देने से करीब दो दिन पहले भी नितेश की ओर से कॉल किए गए थे। हालांकि व्यापारी ने उन कॉल को रिसीव नहीं किया। अब वाट्सएप रिकॉर्डिंग के जरिए मिली धमकी के बाद पुलिस दोनों घटनाओं के बीच किसी संबंध की भी जांच कर रही है।

● धमकी का कारण अभी स्पष्ट नहीं

फिलहाल राकेश सकलेचा को धमकी देने के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं हुई है। पुलिस शिकायत, वॉइस रिकॉर्डिंग, स्क्रीनशॉट और अन्य तथ्यों की जांच कर रही है। वहीं, आरोपी नितेश के खिलाफ पहले झाबुआ में दर्ज मामले की जानकारी भी पुलिस जांच में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि दोनों मामलों में कोई समानता या लेन-देन संबंधी विवाद है या नहीं। सराफा व्यापारी को मिली धमकी के बाद बाजार में भी चर्चा का माहौल है। पुलिस का कहना है कि जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सागर में ट्रैक्टर चोरी मामले में दो आरोपी गिरफ्तार, नाबालिग के साथ मिलकर करता था चोरी, ट्रैक्टर जब्त, बंडा में भी वारदात करना कबूली

सागर,एजेंसी। सागर की सिविल लाइन थाना पुलिस ने ट्रैक्टर चोरी के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसमें एक नाबालिग आरोपी शामिल है। पूछताछ में आरोपियों की निशानदेही पर चोरी गया ट्रैक्टर जब्त किया गया है। पुलिस के अनुसार, 9 मार्च को फरियादी बबलू पिता गनपत पटेल निवासी सुआतला ने थाने में शिकायत की। शिकायत में बताया कि रोजाना की तरह उनका ट्रैक्टर-ट्राली घर के बाहर खड़ा था। सुबह सोकर उठे तो देखा ट्रैक्टर-ट्राली गायब है। आसपास तलाश किया। लेकिन नहीं मिला। शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच में लिया। जांच के दौरान वारदातस्थल और आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। मुखबिर तंत्र सक्रिय किया। जांच में मिले साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने आरोपी टीकाराम उर्फ टिक्कू सिंह और एक नाबालिग को हिरासत में लिया गया। थाने लाकर पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपियों ने ट्रैक्टर चोरी की वारदात करना स्वीकार किया। इसके अलावा आरोपियों ने बंडा थाना क्षेत्र में टैंकर चोरी की वारदात करना कबूल की है। सिविल लाइन थाना प्रभारी आनंद सिंह ने बताया कि चोरी के मामले में नाबालिग समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में चोरी गया ट्रैक्टर बरामद किया है। आरोपियों से अन्य वारदातों को लेकर पूछताछ की जा रही है।

बुरहानपुर में 420 किलो मावा और 50 किलो क्रीम जब्त, फूड विभाग ने दुकानों को नोटिस दिए, 6 जगह से सैंपल लिए

बुरहानपुर,एजेंसी। बुरहानपुर जिले में खाद्य सुरक्षा विभाग ने दूध और दूध से बने उत्पादों की गुणवत्ता जांच के लिए कार्रवाई की। इस दौरान 420 किलो मावा और 50 किलो क्रीम जब्त की गई। दोनों की कुल अनुमानित कीमत करीब 93 हजार रुपए है। विभाग ने संबंधित दुकानों को नोटिस भी जारी किए हैं। कलेक्टर हर्ष सिंह के मार्गदर्शन में हुई कार्रवाई के दौरान मदीना मिल्क डेयरी से 420 किलो मावा जब्त किया गया। इसकी अनुमानित कीमत 75 हजार रुपए बताई गई है। वहीं शालीमार इंटरप्राइजेज, सिंधी बस्ती से 50 किलो क्रीम जब्त की गई। इसकी कीमत करीब 18 हजार रुपए बताई गई है।

इन दुकानों से लिए गए सैंपल: विभाग की टीम ने अन्य प्रतिष्ठानों से भी खाद्य सामग्री के नमूने लिए। बुरहानपुर जलेबी व नमकीन सेंटर, इकबाल चौक से मावा और मावा जलेबी के नमूने लिए गए। बुरहानपुर जलेबी, रोशन चौक से मावा का नमूना लिया गया। शालीमार इंटरप्राइजेज से क्रीम, पनीर और मावा के नमूने भी लिए गए। सभी संबंधित विक्रेताओं को खाद्य सुरक्षा अधिनियम की धारा 32 के तहत नोटिस जारी किए गए हैं।

जांच रिपोर्ट के बाद होगी कार्रवाई: खाद्य सुरक्षा अधिकारी कमलेश डावर ने बताया कि सभी नमूने जांच के लिए भोपाल की प्रयोगशाला भेजे जाएंगे। जांच रिपोर्ट आने के बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 और नियम 2011 के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि खाद्य सामग्री की गुणवत्ता जांच का अभियान आगे भी जारी रहेगा।

मंदसौर में डेढ़ घंटे की मूसलाधार बारिश, शहर के कई इलाकों में जलभराव, 4 पंप से निकाला पानी, शिवना नदी का जलस्तर बढ़ा

मंदसौर,एजेंसी। मंदसौर मंगलवार रात मौसम ने अचानक करवट बदली। शहर समेत जिले के अधिकांश हिस्सों में तेज बारिश हुई। करीब डेढ़ से दो घंटे तक हुई मूसलाधार बारिश के बाद शहर के कई इलाकों में जलभराव हो गया। कई घरों और दुकानों में भी पानी घुस गया। इसे इस सीजन की अब तक की सबसे तेज बारिश बताया जा रहा है। शहर के शुक्ला चौक, भारत माता चौराहा, गांधी चौराहा, धानमंडी, नयापुरा रोड, लक्ष्मीबाई चौराहा, दया मंदिर रोड, शनि विहार कॉलोनी और संजीत नाका सहित कई इलाकों में पानी भर गया। कई जगह सड़कें तालाब जैसी नजर आईं। इससे वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई और लोगों को परेशानी हुई।

4 पंप लगाकर निकाला पानी: जलभराव की सूचना के बाद नगर पालिका ने चार पंप चालू किए। इनसे जलभराव वाले क्षेत्रों का पानी निकालकर शिवना नदी में छोड़ा गया। कम समय में हुई तेज बारिश के कारण बड़ी मात्रा में पानी जमा हो गया था। जलभराव की स्थिति देखने कलेक्टर दिव्यांक सिंह देर रात अधिकारियों के साथ धानमंडी पहुंचे। उन्होंने मौके पर स्थिति देखी और अधिकारियों से पानी निकासी की व्यवस्था की जानकारी ली।

सिवनी मालवा में सोयाबीन फसल पर तना छेदक का प्रकोप

पौधे पीले पड़कर मुरझाए, किसानों ने कृषि विभाग से मदद मांगी

सिवनी मालवा,एजेंसी। सिवनी मालवा तहसील के ग्राम कांसखेड़ी में सोयाबीन की फसल पर तना छेदक कीट का प्रकोप सामने आया है। इससे किसानों की चिंता बढ़ गई है। खेतों में सोयाबीन के पौधे अचानक पीले पड़कर मुरझाने लगे हैं। किसानों ने पीले पड़े पौधों को उखाड़कर देखने पर तने के अंदर इल्ली दिखाई दे रही है, जिससे फसल में तना छेदक के प्रकोप की आशंका जताई जा रही है। ग्राम कांसखेड़ी के किसान लक्ष्य रघुवंशी ने बताया कि उन्होंने खेत में सोयाबीन की फसल लगाई थी, लेकिन अचानक बड़े क्षेत्र में पौधे पीले पड़ने लगे और धीरे-धीरे मुरझा रहे हैं। पौधों की जांच करने पर तने के अंदर इल्ली मिली है।

किसानों को कीटनाशक उपयोग करने की सलाह: मामले को लेकर वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी संजय पाठक ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि तना छेदक की स्थिति में किसान फसल का नियमित निरीक्षण करते रहें। उन्होंने सलाह दी कि प्रकोप दिखाई देने पर सोलोमन, अलीका या फ्लूबेंडामाइड में से किसी एक अनुशंसित कीटनाशक का उपयोग कृषि विभाग की सलाह और उत्पाद के लेबल पर दी गई मात्रा के अनुसार करें।

पौधों को उखाड़कर तने की जांच करना जरूरी... कृषि अधिकारियों के अनुसार, किसानों को खेत में पौधों की नियमित निगरानी करनी चाहिए। पीले पड़कर मुरझाने वाले पौधों को उखाड़कर तने की जांच करना महत्वपूर्ण है। समय रहते कीट की पहचान और नियंत्रण करने से फसल को होने वाले नुकसान को कम किया जा सकता है। किसानों ने कृषि विभाग से मांग की है कि क्षेत्र में फसल का निरीक्षण कर तना छेदक के प्रकोप की स्थिति का आकलन किया जाए। साथ ही, किसानों को उचित कीटनाशक, उसकी मात्रा और छिड़काव की तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराई जाए।

छतरपुर में मां-बेटे को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, इलाज के दौरान महिला की मौत, बेटा घायल, पुलिस ने जांच शुरू की

छतरपुर,एजेंसी। छतरपुर में बिजावर के पास बुधवार को सड़क हादसे में 48 वर्षीय दुर्जी अहिरवार की मौत हो गई। हादसे में उनका बेटा विजय अहिरवार मामूली घायल हुआ है। दुर्जी अपने बेटे के साथ बाइक से जटाशंकर धाम गई थीं। दोनों दर्शन के बाद छतरपुर लौट रहे थे। बिजावर के पास एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को कट मार दिया। इससे बाइक अनियंत्रित हो गई। बाइक सामने से आ रही टैक्सी से टकरा गई। हादसे में दुर्जी गंभीर घायल हो गईं। मां-बेटे को बिजावर के उप स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। प्राथमिक इलाज के बाद दुर्जी की हालत गंभीर होने पर उन्हें छतरपुर जिला अस्पताल रेफर किया गया। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। विजय को मामूली चोट आई है।

पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश में: हादसे की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस अज्ञात वाहन और टैक्सी चालक के बारे में जानकारी जुटा रही है। हादसा किन परिस्थितियों में हुआ, इसकी भी जांच की जा रही है।

सीहोर में 153 लीटर अवैध शराब जब्त

मुखबिर ने बताया था - महिंद्रा थार से लाई जा रही है शराब, दो आरोपी गिरफ्तार

सीहोर,एजेंसी। सीहोर जिले की बुधनी पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने 153 लीटर अवैध शराब के साथ एक महिंद्रा थार गाड़ी जब्त की है। मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

मुखबिर ने दी थी सूचना: एसडीओपी बुधनी रवि शर्मा के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि भोपाल की ओर से एक बिना नंबर की महिंद्रा थार में अवैध शराब लाई जा रही है। इस सूचना पर पुलिस टीम ने गडरिया नाला के पास घेराबंदी की। संदिग्ध वाहन का पीछा कर उसे शंकर मंदिर के पास रोका गया।

तलाशी के दौरान पकड़े गए: पंचों की मौजूदगी में वाहन की तलाशी ली गई, जिसमें 13 पेटी देशी शराब और 3 पेटी बीयर, कुल 153 लीटर अवैध शराब मिली। इसकी अनुमानित कीमत 62,080 रुपये है। पुलिस ने करीब 14 लाख रुपये की महिंद्रा थार भी जब्त की। कुल जब्ती की कीमत 14 लाख 62 हजार 80 रुपये आंकी गई है।

धारा 34(2) के तहत मामला दर्ज: वाहन में सवार शिवम हिंगोले (26) और विशाल जाटव (20), दोनों निवासी नर्मदापुरम, को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। दोनों आरोपियों के खिलाफ मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों को बुधनी न्यायालय में पेश किया गया।

आकाशीय बिजली की दुर्घटनाओं से स्वयं को बचाएं, स्वास्थ्य विभाग ने जारी की एडवाइजरी

सीहोर,एजेंसी आकाशीय बिजली यानि वज्रपात से बचाव के लिए स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग ने जन समुदाय के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। आम-जन इन निर्देशों को अपनाकर आकाशीय बिजली से सुरक्षा और बचाव किया जा सकता है।

आकाशीय बिजली या वज्रपात से आउटडोर यथा बाहरी गतिविधियों में शामिल लोग जैसे खेतों, औद्योगिक स्थानों, निर्माण और सामग्री हैंडलिंग वाले स्थलों पर काम करने वाले लोग सर्वाधिक संवेदनशील होते हैं। आकाशीय बिजली किसी भी समय गिर सकती है वर्षाकाल मानसून जुलाई में अधिक होती है। दोपहर और सायंकाल के बीच वज्रपात की घटनाएं सर्वाधिक देखी जाती हैं।

जारी निर्देश में कहा गया है कि ऊंची नुकीली संरचनाओं, पेड़ों पर आकाशीय बिजली गिरने की अधिक संभावना होती है। ऐसे स्थानों से दूर रहने की सलाह दी गई है। धातु का मचान, धातु के उपकरण, पानी के पाइप या प्लंबिंग, बिजली का संचालन करने वाली सामग्री अथवा सतहों के संपर्क से बचें। ऊंची अधोसंरचनाएं, पहाड़ी टेकरी, बिजली के खंभे, टेलीफोन के खंभे, ऊंचा पेड़, छत, मचान, धातु की सीढ़ी, बड़े मशीन जैसे बुलडोजर, क्रेन और ट्रैक्टर जैसे वाहनों से दूर रहें।

विस्फोट संभावित क्षेत्रों तथा उद्योग स्थलों से तत्काल सुरक्षित स्थल की ओर प्रस्थान करें। धातु युक्त वाहनों से विद्युत प्रवाह संभावित होने के कारण तुरंत सुरक्षित स्थलों की ओर जाएं। सड़क पर होने पर तुरंत किसी भवन के अंदर शरण लें। बिजली के गर्जन सुनाई देने के बाद कम से कम 30 मिनट तक सुरक्षित स्थान पर बने रहें।

घर और कार्यस्थल पर सुरक्षात्मक उपाय अपनाये: बिजली एवं इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के संपर्क से दूरी बनाए रखें। इन्हें पावर प्लग से पृथक करें। बिजली का प्रवाह किसी भी दीवार, फर्श, इलेक्ट्रिकल सिस्टम, रेडियो और टेलीविजन रिसेप्शन सिस्टम तारों के माध्यम से हो सकता है। घर, कार्यालय में अर्थिंग सुनिश्चित करें।

खुले हुए खिड़की, दरवाजे, धातु के पाइप इत्यादि के पास खड़े नहीं रहें। पानी के धातु पाइप से बिजली प्रवाहित हो सकती है। प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित लोगों के लिए विशेष कार्य योजना तैयार करने के निर्देश भी दिये गये हैं।

विभाग द्वारा चिकित्सकीय सेवाओं के प्रदाय के लिए आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिये गये हैं। पर्याप्त संख्या में औषधियां, सामग्री और पैरामेडिकल स्टॉफ का उन्मुखीकरण सुनिश्चित करने को कहा गया है। सभी शासकीय चिकित्सालयों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में आशा कार्यकर्ताओं, एनएचएम/सीएचओ के पास जीवन रक्षक दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित हो। बहु-उद्देशीय कार्यकर्ताओं, आशा कार्यकर्ताओं एवं आशा पर्यवेक्षकों को स्थानीय स्तर पर आपात सेवा स्थापित करने के लिए तैयार रखा जाये।

शासकीय अमले एवं स्वयंसेवी संगठनों व पैरामेडिकल स्टॉफ को चिन्हित कर आपात स्थिति में सेवाएं प्राप्त करने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएं।

सीहोर में बारिश जारी, अब तक 28.72 इंच वर्षा

अगले 48 से 72 घंटे मध्यम से भारी बारिश के आसार, कई क्षेत्रों में तेज बौछारें संभव

सीहोर,एजेंसी। सीहोर जिले में मानसूनी बारिश का दौर जारी है। बुधवार को दोपहर बाद करीब आधे घंटे तक तेज बारिश हुई। भू-अभिलेख विभाग के आंकड़ों के अनुसार, 26 अगस्त तक जिले में औसतन 28.72 इंच वर्षा दर्ज की गई है।

▶▶ 1 जून से अब तक कहां कितनी बारिश

1 जून से 26 अगस्त तक जिले के विभिन्न क्षेत्रों में दर्ज वर्षा इस प्रकार है–

सीहोर: 35.11 इंच
रेहटी: 32.03 इंच
भैरूंदा: 31.65 इंच (804 मिमी)
बुधनी: 29.33 इंच
आष्टा: 27.75 इंच
इछावर: 26.45 इंच
श्यामपुर: 26.00 इंच
जावर: 21.45 इंच

यह पिछले वर्ष की इसी अवधि में हुई 32.01 इंच बारिश की तुलना में 3.29 इंच कम है। जिले की सामान्य औसत वर्षा 45.21 इंच है।

बुधवार को जिले में औसतन 0.50 इंच बारिश हुई। इनमें भैरूंदा क्षेत्र में सबसे अधिक 1.77 इंच वर्षा दर्ज की गई। इसके अलावा सीहोर में 0.86 इंच, आष्टा और इछावर में 0.43-0.43 इंच, रेहटी में 0.29 इंच और श्यामपुर में 0.19 इंच बारिश हुई। वहीं, जावर और बुधनी में बारिश दर्ज नहीं की गई।

▶▶ 48 से 72 घंटों में होगी बारिश

मौसम विभाग के अनुसार, मध्य प्रदेश के ऊपर एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन सक्रिय है। इसके साथ ही मॉनसून ट्रफ लाइन मध्य भारत से गुजर रही है। बंगाल की खाड़ी से लगातार नमी आने के कारण जिले में रुक-रुककर मध्यम से तेज बारिश हो रही है। विभाग ने अगले 48 से 72 घंटों के दौरान जिले में बादलों की आवाजाही बने रहने के साथ मध्यम से भारी बारिश की संभावना जताई है।

किसानों को कृषि की उन्नत तकनीक अपनाने पर अधिक मुनाफा

सीहोर,एजेंसी। राज्य सरकार किसानों की आमदनी को दोगुना करने के लक्ष्य पर निरंतर कार्य किया जा रहा है। किसानों को कृषि की उन्नत तकनीक अपनाने, फसलों के विविधीकरण तथा खेती के साथ पशुपालन, डेयरी, मत्स्य पालन आदि गतिविधियों के लिए प्रेरित किया जाए। राज्य सरकार के दिशा निर्देशानुसार सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और किसानों के खेत पर जाकर उन्हें हर संभव सहायता उपलब्ध कराएं। इस वर्ष धान के क्षेत्र में कमी तथा सोयाबीन और अरहर के क्षेत्र में वृद्धि की संभावना है। कृषि उत्पादन आयुक्त ने कहा कि किसानों को बीज की उन्नत किस्में बोने के लिए प्रेरित किया जाए। बायो फोर्टिफाइड गेहूँ के बीज में आयरन और जिंक की मात्रा होती है जो कि स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होता है। किसानों को गेहूं के इस बीज की किस्म एचआई 1650, 1636, 1633, 1655 बोने के लिए प्रेरित किया जाए। पूसा अरहर 16 अच्छी फसल है और इसका उत्पादन भी ज्यादा है।

किसानों को फसलों के विविधीकरण के लिए प्रेरित करें। किसानों को प्रेशराइज्ड पाइप प्रणाली के माध्यम से सिंचाई के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। खेत में पाइप लाइन डालने पर सरकार की ओर से अनुदान दिया जाता है। सभी जिलों में मृदा परीक्षण प्रयोगशालाएं कार्य कर रही हैं, इनके माध्यम से अधिक से अधिक मृदा परीक्षण करवाए जाएं। कस्टम हायरिंग केन्द्रों के माध्यम से किसानों को खेती के लिए उन्नत कृषि यंत्र एवं उपकरण भी उपलब्ध करवाए जाएं। किसानों को डीएपी उर्वरक के स्थान पर एनपीके उर्वरक इस्तेमाल करने की सलाह दी जाए। एनपीके में फसलों के लिए उपयोगी सभी पोषक तत्व होते हैं। उर्वरक वितरण के लिए डबल लॉक केन्द्रों का आधुनिकीकरण किया जाए तथा प्रयास किया जाए कि किसानों को लाइन में खड़ा न होना पड़े और उनके बैठने की अच्छी व्यवस्था की जाए। किसानों को समझाया जाए कि नरवाई जलाना खेत के लिए अत्यंत हानिकारक है।

5 मार्च 2027 को रिलीज होगी 'स्पिरिट'

फिल्ममेकर संदीप रेड्डी वांगा ने अपनी आने वाली फिल्म 'स्पिरिट' को लेकर बड़ा अपडेट दिया है। उन्होंने साफ कर दिया है कि प्रभास स्टारर यह फिल्म 5 मार्च 2027 को ही सिनेमाघरों में रिलीज होगी। रिलीज डेट में कोई बदलाव नहीं किया गया है।वांगा ने यह भी बताया कि वह और विजय देवरकोंडा अपनी चर्चित फिल्म 'अर्जुन रेड्डी' को इसकी 10वीं सालगिरह पर एक एक्सटेंडेड वर्जन के साथ दोबारा सिनेमाघरों में लाने की तैयारी कर रहे हैं।

अपने भाई प्रणय रेड्डी वांगा के प्रोडक्शन हाउस भद्रकाली पिक्चर्स के तहत बन रही फिल्म 'रोमांचकम' के ट्रेलर लॉन्च के दौरान संदीप रेड्डी वांगा ने 'स्पिरिट' की रिलीज डेट को लेकर स्थिति साफ की।

उन्होंने कहा कि 'स्पिरिट' 5 मार्च 2027 को ही रिलीज होगी और इसमें कोई शक नहीं है। फिल्म की शूटिंग के बारे में उन्होंने बताया कि 40 दिनों का शूट पूरा हो चुका है, जबकि करीब 65 दिनों की शूटिंग अभी बाकी है। वांगा को भरोसा है कि फिल्म का बाकी काम तय समय पर पूरा हो जाएगा।

इस बयान के बाद उन अटकलों पर भी विराम लग गया है, जिनमें कहा जा रहा था कि प्रभास की दूसरी फिल्मों में व्यस्तता की वजह से 'स्पिरिट' की रिलीज आगे खिसक सकती है। प्रभास की एक और बड़ी फिल्म 'फौजी' भी पाइपलाइन में है, जिसे हनु राघवपुड़ी डायरेक्ट कर रहे हैं और यह दिसंबर 2026 में रिलीज होने वाली है।

इस साल की शुरुआत में 'स्पिरिट' का फर्स्ट लुक पोस्टर जारी किया गया था। इसमें प्रभास शर्टलेस नजर आए थे और उनके शरीर पर चोटों के निशान और पट्टियां दिखाई दे रही थीं। वहीं, तृप्ति डिमरी उनके लिए लाइटर पकड़े नजर आई थीं। पोस्टर सामने आने के बाद फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ गई थी 'स्पिरिट' के बाद 7 अप्रैल 2027 को एसएस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' रिलीज होने वाली है। दोनों फिल्मों के बीच करीब 37 दिनों का अंतर है। जब संदीप रेड्डी वांगा से पूछा गया कि क्या यह अंतर बॉक्स ऑफिस के लिहाज से पर्याप्त है, तो उन्होंने किसी तरह की चिंता से इनकार किया। वांगा ने कहा कि करीब 37 दिनों का गैप उनकी फिल्म 'स्पिरिट'के लिए काफी है।

कॉफी से रकुल प्रीत ने किया परहेज साझा किया अनोखा अनुभव

एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने कैफीन छोड़ने के बाद अपनी ज़िंदगी की एक झलक दिखाई। उन्होंने कॉफ़ी छोड़ने के अपने फ़ैसले पर मज़ाकिया अंदाज़ में बात की। इंस्टाग्राम पर, पति पत्नी और वो की एक्ट्रेस ने बिस्तर पर लेटे हुए अपना एक वीडियो शेयर किया। क्लिप में लिखा था, कैफीन छोड़ने के बाद मुझे बदलते हुए देखिए। उन्होंने पोस्ट के साथ एक मज़ेदार कैप्शन भी लिखा, लगता है, कॉफ़ी छोड़ने का फ़ैसला लेने से पहले मेरे शरीर से कोई सलाह नहीं ली गई थी। अपनी पोस्ट के ज़रिए, रकुल ने कैफीन से दूर रहने की मुश्किल को दिखाया, खासकर उन लोगों के लिए जिन्हें रोज़ कॉफ़ी पीने की आदत है।खेल वीडियो की शुरुआत रकुल के एनर्जेटिक और हंसते हुए दिखने से होती है। हालाँकि, कैफीन छोड़ने के बाद, वह बिस्तर पर लेटे हुए और साफ़ तौर पर चिढ़ी हुई दिखकर अपना मज़ेदार बदलाव दिखाती हैं। रकुल प्रीत सिंह अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल ज़िंदगी की झलकियां शेयर करती रहती हैं। शानदार फोटोशूट की तस्वीरें शेयर करने से लेकर पति जैकी भगनानी के साथ अपनी ज़िंदगी की झलक दिखाने तक, रकुल अक्सर अपने सोशल मीडिया पोस्ट के ज़रिए अपनी ज़िंदगी के बारे में बताती रहती हैं। इसी सिलसिले को आगे बढ़ाते हुए, रकुल ने हाल ही में जैकी भगनानी के साथ अपने प्रोफेशनल और पर्सनल रिश्ते की झलक दिखाई। उन्होंने बताया कि उनकी पार्टनरशिप लगातार हंसी-मज़ाक और खाने-पीने के बारे में कभी न खत्म होने वाली बातचीत से चलती है। एक्ट्रेस ने जैकी के साथ एक जॉइंट सोशल मीडिया पोस्ट में कई तस्वीरें शेयर कीं। अपने रिश्ते के बारे में बात करते हुए, उन्होंने कहा कि उनकी आपसी तालमेल की वजह से एक कपल के तौर पर साथ मिलकर कुछ रोमांचक बनाना वाकई एक बहुत अच्छा अनुभव होता है। लोग हमसे पूछते हैं कि साथ काम करना कैसा लगता है। जवाब? आधे समय हम काम के बारे में बात करते हैं, बाकी आधे समय हम हंसते हैं और खाने-पीने के बारे में बात करते हैं। यह मज़ेदार है क्योंकि मुझे लगता है कि हमारी सोच और तालमेल एक जैसे हैं। साथ मिलकर ज़िंदगी बनाना एक बात है। कुछ ऐसा बनाना जिसके लिए आप दोनों उत्साहित हों, यह बिल्कुल अलग अनुभव है, रकुल ने कैप्शन में लिखा।

मैं हमेशा इनोसेंट थी और रहूंगी : रिया चक्रवर्ती

रिया के इमोशनल एग्जिट से पसरा सन्नाटा

, ट्रेटर के भी छलके आंसू

अमेजन प्राइम वीडियो के सबसे सस्पेंस भरे रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स' में इनोसेंट्स और ट्रेटर्स के बीच चल रही दिमागी जंग अब बेहद इमोशनल और चौंकाने वाले मोड़ पर पहुंच चुकी है. शो के लेटेस्ट एपिसोड में इनोसेंट्स ने शक और गलतफहमी के चलते एक ऐसी भारी भूल कर दी, जिसने पूरे महल को सन्नाटे में डाल दिया. बार-बार खुद के निर्दोष होने की दुहाई देने के बावजूद, राउंड टेबल यानी 'सर्कल ऑफ शॉक' में साथी खिलाड़ियों ने बॉलीवुड एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती को वोट आउट करके शो से बाहर का रास्ता दिखा दिया. शो की शुरुआत से ही रिया चक्रवर्ती ने ये साफ कर दिया था कि वह कभी ट्रेटर नहीं बनना चाहती थीं. वह दिल से एक 'इनोसेंट' के रूप में खेलना चाहती थीं और उन्होंने हर कदम पर साथी इनोसेंट्स का साथ देने की पूरी कोशिश की. लेकिन जब राउंड टेबल पर शक की उंगलियां उठीं, तो रिया की तमाम दलीलों और सफाइयों को अनसुना कर दिया गया.

वोटिंग में बहुमत के बाद जब रिया का एलिमिनेशन तय हो गया, तब उन्होंने बिना किसी कड़वाहट के भारी दिल से सभी कंटेस्टेंट्स को अलविदा कहा. रिया ने कहा,मेरा आप सभी के साथ बहुत ही खूबसूरत वक्त बीता. आप सब मेरे लिए घर से दूर एक परिवार की तरह बन गए. मैं सच में आप सभी से बहुत प्यार करती हूं. अगर शक के इस माहौल में एक-दूसरे पर उंगलियां उठी हों, चाहे वो क्रिस्टल हों, साहिल हों या मल्लिका जीज तो मैं दिल से माफी चाहती हूं. आखिरकार ये सिर्फ एक खेल है और मुझे उम्मीद है कि गेम खत्म होने के बाद हम सब बाहर बहुत अच्छे दोस्त बने रहेंगे.

जब रिया से उनका अंतिम सच सामने रखने को कहा गया कि वो एक इनोसेंट थीं या तब तो उन्होंने एक काव्यात्मक और दिल छू लेने वाले अंदाज में जवाब दिया—रोजेज आर रेड, वायलेट्स आर ब्लूज आई एम इन माय चैपल, हाउ डेयर यू? मैं एक इनोसेंट हूं. मैं हमेशा से इनोसेंट थी और हमेशा इनोसेंट ही रहूंगी रिया के मुंह से 'इनोसेंट' शब्द सुनते ही पूरे रूम में मौजूद खिलाड़ियों के होश उड़ गए. कई कंटेस्टेंट्स के गले भर आए और उन्हें अपनी गलती का अहसास होते ही भारी पछतावा होने लगा. इनोसेंट्स यह समझ ही नहीं पाए कि वो ट्रेटर्स के बिछाए जाल में फंसकर अपने ही सबसे मजबूत साथियों को एक-एक करके खत्म कर रहे हैं.

ट्रेटर्स का काम हुआ और भी आसानरिया के बाहर होते ही गेम का कंट्रोल पूरी तरह से ट्रेटर्स के पक्ष में झुक गया. इनोसेंट्स को उनकी इस बड़ी चूक का अहसास कराते हुए साफ कहा गया कि आज उन्होंने फिर से अपना निशाना चूक दिया है. अपने ही फेलो इनोसेंट को बाहर करके उन्होंने ट्रेटर्स की हिट लिस्ट से एक टारगेट खुद ही कम कर दिया है.क्रिस्टल डिसूजा और बाकी ट्रेटर्स के लिए ये एलिमिनेशन एक बड़ी जीत जैसा साबित हुआ, क्योंकि इनोसेंट्स आपस में ही लड़कर खुद को कमजोर कर रहे हैं. अब देखना होगा कि रिया चक्रवर्ती के इस शॉकिंग एग्जिट के बाद बचे हुए इनोसेंट्स अपनी आंखें खोलते हैं या ट्रेटर्स इस पूरे गेम को आसानी से अपने नाम कर लेंगे!

16 साल बाद बड़े पर्दे पर होगी सुष्मिता सेन की वापसी

सुष्मिता कहती हैं कि कई बार हम इंटरनेट मीडिया और आसपास की हर तरह की आवाजों से खुद को दूर ले जाना चाहते हैं। शांत माहौल में जाना चाहते हैं। जीवन में बहुत सारा काम करना है, उसके लिए खुद को शांत मौहाल में रखना जरूरी है, ताकि अच्छी वापसी कर सकें।

कलाकारों को कई बार प्रशंसकों और काम से दूर अपने लिए भी समय चाहिए होता है। अभिनेत्री सुष्मिता सेन अपने लिए वह समय निकालती हैं। तभी सुष्मिता पिछले काफी समय से इंटरनेट मीडिया पर सक्रिय नहीं हैं। इसका कारण उन्होंने अपने इंस्टाग्राम लाइव के दौरान दिया। इसके अलावा उन्होंने शादी और सिनेमा में वापसी पर भी बात की। सुष्मिता कहती हैं कि कई बार हम इंटरनेट मीडिया और आसपास की हर तरह की आवाजों से खुद को दूर ले जाना चाहते हैं। शांत माहौल में जाना चाहते हैं। जीवन में बहुत सारा काम करना है, उसके लिए खुद को शांत मौहाल में रखना जरूरी है, ताकि अच्छी वापसी कर सकें।

मुझे कई लोगों ने इंटरनेट मीडिया पर मैसेज करके पूछा कि मैं कुछ पोस्ट क्यों नहीं कर रही हूं। इसका जवाब यही है कि मुझे काफी वक्त हो गया था, ऐसा लगा की मुझे खुद को डीटॉक्स करना चाहिए। मैं कहीं गायब नहीं होती हूं, बस मैं अपने जोन में जाती हूं और फिर से आती हूं, ताकि खुद को और बेहतर बना पाऊं।

शादी और प्यार से जुड़े सवालों को सुष्मिता ने बड़े ही प्यार से किनारे करते हुए मजेदार जवाब दिया। जब उनसे उनकी शादी और लव लाइफ के बारे में सवाल होने शुरू हुए, तो सुष्मिता ने कहा कि मेरी लव लाइफ के बारे में मुझसे पूछो ही मत। एक ने पूछा आप शादी कब करेंगी? इस पर उन्होंने कहा कि इस सवाल का जवाब आप और मैं दोनों मिलकर ढूंढते रह जाएंगे।

सुष्मिता काफी समय से बड़े पर्दे से दूर हैं। ऐसे में इस पर भी उनसे काफी सवाल हुए। सुष्मिता ने कहा कि जो कर रही हूं, उस पर बात नहीं कर सकती हूं, जो उससे जुड़े लोग हैं, बेहतर है वही बताएं।

आप सभी जब मुझसे बार-बार यह सवाल पूछते हैं, तो आपके और सिनेमा से प्यार की वजह से दोबारा इस ओर लौट पाती हूं। मेरी पहली फिल्म दस्तक मुझे आज भी याद है। बता दें कि सुष्मिता की आखिरी बॉलीवुड थिएटर रिलीज फिल्म नो प्रॉब्लम थी, जो साल 2010 में आई थी।उन्होंने कहा कि उन्हें खुद पर किताब लिखनी है। मैं इन चीजों को लेकर कुछ ज्यादा ही जुनूनी हूं। कोई भी काम जल्दबादी में नहीं करना चाहिए। अभी तो किताब के अलग-अलग अध्याय उसे जीते हुए लिख रही हूं। बाद में पन्नों पर भी उतार देंगे।

कारुआना ने ग्रैंड चेस टूर फाइनल में प्रज्ञानानंदा को हराया

पहले क्लासिकल गेम के बाद 6-0 की बढ़त

सेंटलुइस (एजेंसी)। सेंट लुइस में खेले जा रहे ग्रैंड चेस टूर फाइनल्स 2026 के खिताबी मुकाबले में ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारुआना ने भारत के आर प्रज्ञानानंदा को हरा दिया। कारुआना ने फाइनल के पहले क्लासिकल गेम में प्रज्ञानानंदा को शिकस्त दी। दूसरा मुकाबला आज होगा। इस जीत से अमेरिका के कारुआना ने मैच में 6-0 की बढ़त बना ली। मुकाबले में प्रज्ञानानंदा लंबे समय तक बराबरी पर थे, लेकिन 28वीं चाल में हुई गलती के बाद कारुआना ने गेम अपने नाम कर लिया। वहीं तीसरे स्थान के मुकाबले में विंसेंट कीमर और वेस्ली सो का पहला क्लासिकल गेम ड्रॉ रहा और दोनों का स्कोर 3-3 है।

- **28वीं चाल की गलती से हारे प्रज्ञानानंदा –** कारुआना और प्रज्ञानानंदा के बीच मुकाबला काफी देर तक बराबरी का रहा। कारुआना के मुताबिक उन्हें भी स्थिति में कोई खास बढ़त नहीं दिख रही थी और 26वीं चाल में वे स्थिति को संभालने की कोशिश कर रहे थे। लेकिन इसके तीन चाल बाद प्रज्ञानानंदा ने गलत खेल दिया। इस गलती से कारुआना को निर्णायक बढ़त मिल गई और उन्होंने गेम जीत लिया।

मीराबाई चानू एशियाई खेलों में ओलंपिक जैसी चुनौती के लिए पूरी तरह से तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय भारोत्तोलक और ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियाई खेलों में ओलंपिक जैसी चुनौती के लिए पूरी तरह से तैयार हैं जहां उन्हें चीन, उत्तर कोरिया और थाईलैंड के शीर्ष खिलाड़ियों का सामना करना होगा। भारत की इस 32 वर्ष की खिलाड़ी ने विश्व स्तर पर लगभग प्रत्येक पदक जीता है जिसमें 2021 में ओलंपिक खेलों में जीता गया रजत पदक भी शामिल है। लेकिन वह अभी तक एशियाई खेलों में पदक नहीं जीत पाई हैं। मीराबाई ने हाल में ही राष्ट्रमंडल खेलों में तीसरी बार स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने कहा एशियाई खेल बिल्कुल अलग तरह की प्रतियोगिता है, जिसमें राष्ट्रमंडल खेलों की तुलना में कहीं अधिक कड़ी प्रतिस्पर्धा होने की संभावना है। मीराबाई ने 19 सितंबर से शुरू होने वाले एशियाई खेलों से पहले साइ (भारतीय खेल प्राधिकरण) मीडिया से कहा, राष्ट्रमंडल खेलों में मेरे लिए प्रतिस्पर्धा कठिन नहीं थी।

भारत और श्रीलंका के बीच दूसरा टेस्ट मैच बारिश से बाधित

- **फॉलो-ऑन के बाद श्रीलंका 229/6, सुथार ने दो विकेट लिए**

कोलंबो (एजेंसी)। भारत और श्रीलंका के बीच दूसरा टेस्ट मैच कोलंबो में खेला जा रहा है। मुकाबले के चौथे दिन श्रीलंका ने शानदार खेल दिखाया है। बारिश के कारण मैच बाधित हो रहा था। श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में टीम इंडिया मजबूत स्थिति में है।मुकाबले के चौथे दिन का खेल शुरू होने के कुछ समय बाद ही श्रीलंका टीम पहली पारी में 290 रन पर सिमट गई। इससे पहले तीसरे दिन का खेल समाप्त होने के बाद श्रीलंका की टीम ने 8 विकेट के नुकसान पर 265 रन बनाए थे। मेजबान टीम के लिए सोनल दिनूशा ने शतक लगाया वहीं पसिंदु सूरियाबंदारा ने अर्धशतक लगाया। भारत के लिए मानव सुथार और प्रसिद्ध कृष्णा ने तीन-तीन विकेट अपने नाम किए। भारत ने कोलंबो टेस्ट में फॉलोऑन खेल रही श्रीलंका के 6 विकेट ले लिए हैं। चौथे दिन टीम का स्कोर 229 रन है। सोनल दिनूषा और केशरा नुवनथा क्रीज पर हैं।बुधवार को पसिंदु सोरियाबंडारा 92 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान धनंजय डी सिल्वा 23 रन बनाकर आउट हुए। दोनों को मानव सुथार ने पवेलियन भेजा। निरोशन डिकवेला को सारांश जैन ने आउट किया।

कमिंदु मेंडिस 55 रन बनाकर प्रसिद्ध कृष्णा की बॉल पर आउट हुए। इससे पहले कमिल मिशारा 32 रन पर रवींद्र जडेजा और लाहिरू उदारा 3 रन पर मोहम्मद सिराज ने पवेलियन भेजा था।

भारत ने पहली पारी में 503/9 पर पारी घोषित की थी। जवाब में श्रीलंका 290 रन पर ऑलआउट हुआ था। इस हिसाब से भारत को 213 रन की बढ़त मिली थी, जिसके बाद फॉलोऑन दिया गया।

सारांश जैन का पहला इंटरनेशनल विकेट

86.5 ओवर मे सारांश जैन ने लाहिरू कुमारा को आउट कर अपना पहला टेस्ट विकेट हासिल किया। फ्लाइटेड गेंद पर कुमारा ने सीधा शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद हल्की टर्न लेकर बल्ले के बाहरी किनारे से उछल गई। कवर-पॉइंट से दौड़ते हुए ध्रुव जुरेल ने आगे की ओर डाइव लगाकर शानदार कैच पकड़ा। कुमारा 58 गेंद पर 12 रन बनाकर आउट हुए।

बुमराह से 697 दिन बाद टॉप रैंकिंग छिनी

ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क नंबर-1 टेस्ट गेंदबाज, टॉप-10 बल्लेबाजों में पंत और गिल

दुबई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने जसप्रीत बुमराह को पीछे छोड़कर पहली बार आईसीसी टेस्ट बॉलिंग रैंकिंग में नंबर-1 स्थान हासिल किया है। बांग्लादेश के खिलाफ मैकाय टेस्ट में 10 विकेट लेने के बाद स्टार्क दो स्थान की छलांग लगाकर टॉप पर पहुंचे। उनके 872 रेटिंग पॉइंट हैं, जबकि बुमराह 862 पॉइंट के साथ दूसरे नंबर पर हैं। बुमराह ने कुल 697 दिन नंबर-1 की रैंकिंग पर बिताए हैं। वे 7 फरवरी 2024 को पहली बार इस मुकाम पर पहुंचे थे। हालांकि, यह लगातार 697 दिन का आंकड़ा नहीं है। बीच में दूसरे गेंदबाज भी नंबर-1 बने, इसलिए बुमराह के अलग-अलग नंबर-1 कार्यकालों को जोड़कर यह आंकड़ा बना है। 697 दिन किसी भारतीय गेंदबाज का आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में सबसे लंबा संयुक्त नंबर-1 कार्यकाल है और टेस्ट इतिहास में यह 14वां सबसे लंबा है। बुमराह ने इंग्लैंड के खिलाफ 2024 विशाखापट्?टनम टेस्ट में 9 विकेट लेने के बाद पहली बार टॉप रैंक हासिल की थी। वह टेस्ट रैंकिंग में नंबर-1 बनने वाले पहले भारतीय तेज गेंदबाज भी हैं। वहीं, मौजूदा टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में ऋषभ पंत सातवें और शुभमन गिल आठवें नंबर पर हैं।

- **2025 में 907 रेटिंग पॉइंट तक पहुंचे – बुमराह** 2025 में भी टेस्ट रैंकिंग के टॉप पर बने रहे। जनवरी 2025 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मेलबर्न टेस्ट में 9 विकेट लेने के बाद उनके रेटिंग पॉइंट 907 तक पहुंच गए थे। यह किसी भारतीय गेंदबाज का आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में सबसे बड़ा रेटिंग स्कोर था। बुमराह 2024 में आईसीसी टेस्ट क्रिकेटर ऑफ द ईयर थे।
- **जून 2026 में हेनरी के साथ संयुक्त नंबर-1 हुए थे** – 2026 में बुमराह को न्यूजीलैंड के मैट हेनरी से भी चुनौती मिली। जून में हेनरी ने 11 विकेट लेकर बुमराह के साथ संयुक्त रूप से नंबर-1 स्थान हासिल किया था। हालांकि, इसके बाद बुमराह फिर टॉप पर पहुंच गए।

बुमराह की गैरमौजूदगी और स्टार्क का प्रदर्शन बना वजह

बुमराह इस समय श्रीलंका के खिलाफ भारत की जारी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप सीरीज में नहीं खेल रहे हैं। उनकी गैरमौजूदगी के बीच स्टार्क ने बांग्लादेश के खिलाफ 10 विकेट लेकर टॉप पर पहुंच गए। स्टार्क ने पहली पारी में 6 और दूसरी पारी में 4 विकेट लिए। नके शानदार स्पेल की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश को दोनों पारियों में 100 रन के अंदर समेट दिया और मैकाय टेस्ट पारी और 51 रन से जीत लिया।

चार वर्ल्ड कप खेल चुके पाकिस्तान की तेज गेंदबाज ऐमन अनवर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान की महिला तेज गेंदबाज ने तत्काल प्रभाव से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने बुधवार को बताया कि तेज गेंदबाज ऐमन अनवर ने तत्काल प्रभाव से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। 2016 में पदार्पण करने वाली ऐमन अनवर ने पाकिस्तान के लिए 37 अंतरराष्ट्रीय टी-20 और आठ एकदिवसीय मैच खेले। अनवर ने पाकिस्तान के लिए अपना पहला मैच 2016 में इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 में खेला था। उन्होंने राष्ट्रीय टीम के लिए दक्षिण अफ्रीका में हुए आईसीसी महिला टी-20 विश्वकप 2023 में खेला था। 34 साल की इस खिलाड़ी के नाम 29 टी20 विकेट और वनडे फॉर्मेट में चार विकेट दर्ज हैं। अनवर उस पाकिस्तानी स्क्वाड का भी हिस्सा थीं जिसने 2018, 2020 और 2023 में महिला टी20 वर्ल्ड कप में हिस्सा लिया था। उन्होंने 2022 में न्यूजीलैंड में हुए महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप में भी हिस्सा लिया था। इंग्लैंड के खिलाफ लीग स्टेज का मैच इस तेज गेंदबाज का टीम के लिए आखिरी वनडे मैच था।

बीबीएल में ड्राफ्ट सिस्टम खत्म, अब खिलाड़ियों को होगा और फायदा, मिलेंगे ज्यादा पैसे

सिडनी (एजेंसी)। बिग बैश लीग (बीबीएल) अनुबंध से जुड़ी रोक गुरुवार से हटने के बाद इस टूर्नामेंट में खेलने वाले ऑस्ट्रेलियाई और विदेशी खिलाड़ियों को अधिक राशि मिलेगी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर्स एसोसिएशन (एसीए) के साथ महीनों की बातचीत और क्लबों से मिले फीडबैक के बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (एसीए) ने आखिरकार डब्ल्यूबीबीएल सीजन शुरू होने से छह सप्ताह पहले अनुबंध से जुड़े नए नियम घोषित कर दिए।

नए नियमों के तहत विदेशी खिलाड़ियों के लिए ड्राफ्टा व्यवस्था को खत्म कर दिया गया है और बड़े घरेलू खिलाड़ियों को ज्यादा पैसे देने के मकसद से जरूरी बड़े घरेलू खिलाड़ियों की संख्या कम कर दी गई है। क्लबों को विदेशी खिलाड़ियों को साइन न करने का विकल्प भी दिया गया है। यह रोक गुरुवार सुबह नौ बजे हट जाएगी और इससे बेन स्टोक्स और फिन एलन जैसे खिलाड़ियों के लिए बीबीएल क्लबों के साथ सीधे रिकॉर्ड अनुबंध साइन करने का रास्ता खुल जाएगा।

साथ ही मेलबर्न रेनेगेड्स छोड़ने के बाद ऑस्ट्रेलिया के लेग-स्पिनर एडम जम्पा को भी आखिरकार कोई क्लब मिल सकता है। ऑस्ट्रेलिया के टी-20 विकेटकीपर जॉश इंग्लिश को भी सैद्धांतिक रूप से फायदा हो सकता है, क्योंकि पर्थ स्कॉर्चर्स के साथ उनका अनुबंध समाप्त हो गया है, हालांकि, टेस्ट ड्यूटी की वजह से हो सकता है कि वह आने वाले बीबीएल के किसी भी हिस्से के लिए उपलब्ध न हों, जिससे आने वाले सीजन के लिए बड़ा कॉन्ट्रैक्ट पाने की उनकी संभावना बेहद कम हो जाती है। ऑस्ट्रेलिया के कई बड़े बीबीएल खिलाड़ी और कई क्लब लंबे समय से विदेशी खिलाड़ियों के लिए बने 'ड्राफ्ट' सिस्टम से परेशान थे। इस सिस्टम की वजह से कई बार कम मशहूर विदेशी खिलाड़ियों को ड्राफ्ट के नियमों के कारण सबसे अच्छे लोकल खिलाड़ियों से कहीं ज्यादा पैसे मिल जाते थे। डब्ल्यूबीबीएल में भी यही नियम लागू होंगे।

यूएस ओपन मिक्स्ड डबल्स में जोकोविच-सबालेंका पहले राउंड में हारे

सेरेना-अल्काराज भी हारकर बाहर, पति-पत्नी स्वितोलीना-मोंफिल्स सेमीफाइनल में पहुंचे

न्यूयार्क (एजेंसी)। न्यूयॉर्क में खेले जा रहे स ओपन मिक्स्ड डबल्स में नोवाक जोकोविच-आर्यना सबालेंका और सेरेना विलियम्स-कार्लोस अल्काराज की स्टार जोड़ियां खिताब की दौड़ से बाहर हो गईं। जोकोविच-सबालेंका पहले दौर में हारे, जबकि सेरेना-अल्काराज को क्वार्टर फाइनल में शिकस्त मिली। वहीं पति-पत्नी एलीना स्वितोलिना और गेल मोंफिल्स ने डबल्स के नंबर-1 कतेरीना सिइनाकोवा-हेनरी पैटेन को हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। कतेरीना सिइनाकोवा और नंबर-1 पुरुष डबल्स खिलाड़ी हेनरी पैटेन ने पहले दौर में जोकोविच-सबालेंका को हराया। मंगलवार को खेले गए मुकाबले में दोनों ने टॉप सीड जोड़ी को 1-4, 4-2 से शिकस्त दी। सबालेंका दो बार की डिफेंडिंग यूएस ओपन महिला चैंपियन हैं, जबकि जोकोविच 24 ग्रैंड स्लैम खिताब जीत चुके हैं। दोनों को उनकी संयुक्त सिंगल्स रैंकिंग के आधार पर टूर्नामेंट में नंबर-1 सीड मिली थी। हालांकि, उनकी हार को बड़ा उलटफेर नहीं माना गया, क्योंकि सामने डबल्स के नंबर-1 खिलाड़ी थे।

पहला सेट जीतने के बाद हारे जोकोविच-सबालेंका – जोकोविच और सबालेंका ने मैच की अच्छी शुरुआत की। दोनों ने पहला सेट सिर्फ 12 मिनट में 4-1 से जीत लिया। दूसरे सेट में भी उन्होंने शुरुआत में बढ़त बनाई, लेकिन सिइनाकोवा और पैटेन ने वापसी करते हुए सेट 4-2 से जीत लिया। इसके बाद मुकाबला सुपर टाई-ब्रेकर में पहुंचा, जहां सिइनाकोवा-पैटेन ने 10-2 से बाजी मार ली। इस तरह पहला सेट आसानी से जीतने के बावजूद जोकोविच-सबालेंका को पहले ही मैच में हारकर टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा।

सेरेना की वापसी का सफर क्वार्टर फाइनल में थमा – 44 साल की सेरेना विलियम्स ने 2022 में टेनिस से विदाई के बाद पहली बार यूएस ओपन के आर्थर ऐश स्टेडियम में वापसी की। उन्होंने कार्लोस अल्काराज के साथ पहले मैच में एरिन राउटलिफ और लॉयड ग्लासपूल को 5-3, 4-1 से हराया। इस दौरान सेरेना ने 193 किमी/घंटे की रफ्तार से एस लगाया, जिस पर स्टेडियम में मौजूद दर्शकों ने जोरदार प्रतिक्रिया दी।सेरेना ने कहा, 'मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं दोबारा इस कोर्ट पर लौटूंगी। यहां होना हमेशा खास है।'क्वार्टर फाइनल में सेरेना-अल्काराज का सामना बेलिंडा बेंसिच और फ्लावियो कोबोली से हुआ। बेंसिच-कोबोली ने पहला सेट टाई-ब्रेकर में जीता और फिर दूसरा सेट 4-1 से अपने नाम कर मैच जीत लिया। कोबोली ने कहा, 'आर्थर ऐश पर सेरेना और कार्लोस के खिलाफ खेलना आसान नहीं है। मैं मैच से पहले भी थका हुआ था और अब भी थका हूं।

एशियन गेम्स 2026

भारत - पाकिस्तान सिर्फ फाइनल में संभव

मेंस क्रिकेट टीम 28 सितंबर को पहला मैच खेलेगी ; महिलाओं का जापान से मुकाबला

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुष टीम 28 सितंबर से एशियन गेम्स में अपना पहला मैच खेलेगी। जापान में खेली जाने वाले टूर्नामेंट में महिला टीम 18 सितंबर को अपना पहला मुकाबला खेलेगी। दोनों भारतीय टीमों को सीडिंग मिली है और वे सीधे क्वार्टर फाइनल में उतरेंगी। टूर्नामेंट नागोया के पास कोरोगी एथलेटिक पार्क में होगा। विमेंस क्रिकेट टूर्नामेंट 17 से 22 सितंबर, जबकि मेंस क्रिकेट टूर्नामेंट 24 सितंबर से 1 अक्टूबर तक चलेगा। महिला वर्ग में फाइनल 22 सितंबर, जबकि पुरुष वर्ग का फाइनल 3 अक्टूबर को होगा।भारत ने 2023 एशियन गेम्स में मेंस और विमेंस कैटेगरी में गोल्ड मेडल जीता था।

एशियन गेम्स के लिए भारतीय टीम में वैभव – भारत एशियन गेम्स के लिए टीम का ऐलान कर चुका है। श्रेयस अय्यर कप्तान और तिलक वर्मा उपकप्तान होंगे। टीम में वैभव सूर्यवंशी को भी शामिल किया गया है।भारतीय महिला की टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर होंगी। वहीं स्मृति मंधाना को उपकप्तान बनाया गया है।

दोनों टीमों का स्क्वॉड

पुरुष टीम – श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा (उपकप्तान), वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, ईशान किशन, शिवम दुबे, नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह।

महिला टीम – हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी. कमलिनी (विकेटकीपर), भारती फुलमाली, श्री चरणी, रेणुका ठाकुर, क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी, श्रेयांका पाटिल, राधा यादव, नंदनी शर्मा।

4 टीमों को सीधे क्वार्टर फाइनल में एंट्री – 2026 एशियन गेम्स के मेंस क्रिकेट टूर्नामेंट में कुल 10 टीमें हिस्सा लेंगी। भारत के अलावा बांग्लादेश, पाकिस्तान और श्रीलंका को सीधे क्वार्टर फाइनल में जगह मिली है। अफगानिस्तान, हॉन्गकॉन्ग, जापान, मलेशिया, नेपाल और ओमान की टीमें प्रीलिमिनरी राउंड में खेलेंगी। इन 6 टीमों को 2 ग्रुप में बांटा जाएगा। दोनों ग्रुप की टॉप 2-2 टीमें यानी कुल 4 टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंचेंगी। यहां उनका मुकाबला पहले से क्वालिफाई कर चुकी 4 टीमों से होगा।

संजय बांगड़ की बेटी अनाया की क्रिकेट में वापसी

ऑस्ट्रेलिया ने खेलने की अनुमति दी, हार्मोन रिप्लेसमेंट थेरेपी से बदला था जेंडर

नईदिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर संजय बांगड़ की बेटी अनाया बांगड़ ने बैंकॉक में जेंडर-अफर्मिंग सर्जरी के बाद यह पोस्ट शेयर की थी। अनाया इससे पहले आर्यन बांगड़ थे। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और बैटिंग कोच संजय बांगड़ की बेटी अनाया बांगड़ के क्रिकेट में वापसी का रास्ता खुल गया है। अनाया ने जेंडर ट्रांजिशन के दौरान हार्मोन रिप्लेसमेंट थेरेपी और मार्च 2026 में जेंडर-अफर्मिंग सर्जरी कराई थी। अब क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने उन्हें अपनी 'ट्रांसजेंडर एंड जेंडर डाइवर्स प्लेयर्स इन एलीट क्रिकेट पॉलिसी' के तहत ऑस्ट्रेलिया में महिला क्रिकेट खेलने की अनुमति दी है। सीए के फैसले के मुताबिक अनाया मार्च 2027 से एलीट महिला क्रिकेट खेल सकती हैं, लेकिन इसके लिए उन्हें तय शर्तें पूरी करनी होंगी। इस फैसले से उनके लिए विमेंस बिग बैश लीग में खेलने का रास्ता भी खुल सकता है। हालांकि, सीए की मंजूरी का मतलब यह नहीं है कि उन्हें डब्ल्यूबीबीएल की किसी टीम में कॉन्ट्रैक्ट मिल गया है।

हार्मोन थेरेपी और सर्जरी के बाद क्रिकेट में वापसी – अनाया ने जेंडर ट्रांजिशन की प्रक्रिया के दौरान हार्मोन थेरेपी कराई और मार्च 2026 में जेंडर-अफर्मिंग सर्जरी कराई। इसके बाद उन्होंने क्रिकेट में वापसी के लिए क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से संपर्क किया। सीए ने उनके मामले की समीक्षा के बाद उन्हें फिलहाल ऑस्ट्रेलिया की प्रीमियर क्रिकेट प्रतियोगिताओं में खेलने की अनुमति दी है। प्रीमियर क्रिकेट को सीए की नीति में कम्युनिटी क्रिकेट की श्रेणी में रखा गया है, इसलिए इसमें खेलने के लिए एलीट क्रिकेट वाली पात्रता शर्तें लागू नहीं होतीं।

मार्च 2027 से एलीट क्रिकेट के लिए शर्त पूरी करनी होगी – डब्ल्यूबीबीएल जैसी एलीट प्रतियोगिताओं के लिए अनाया को सीए की मेडिकल पात्रता शर्तें पूरी करनी होंगी। सीए के पत्र के मुताबिक मार्च 2027 से उनकी एलीट क्रिकेट पात्रता इस बात पर निर्भर होगी कि ऑस्ट्रेलिया पहुंचने पर उनके ब्लड टेस्ट में सीरम टेस्टोस्टेरोन 10 एनएमओएल से कम हो और वे पॉलिसी की बाकी शर्तों को भी पूरा करती रहें।

अनाया बोलीं- एक समय लगा था क्रिकेट हमेशा के लिए खो दिया – अनाया ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के फैसले को अपने लिए बेहद भावुक पल बताया। उन्होंने कहा कि एक समय उन्हें सच में लगने लगा था कि वे शायद दोबारा क्रिकेट नहीं खेल पाएंगी।उन्होंने कहा कि बचपन से क्रिकेट उनकी पहचान का अहम हिस्सा रहा है। ट्रांजिशन के बाद क्रिकेट से दूर होना उनके लिए सबसे मुश्किल अनुभवों में से एक था।

अनाया के मुताबिक, यह सिर्फ किसी महिला लीग में शामिल होने का मामला नहीं है, बल्कि उस खेल में वापस लौटने का मौका है, जिससे वे बचपन से प्यार करती हैं।

मुंबई अंडर-19 क्रिकेट खेल चुकी हैं

अनाया इससे पहले मुंबई की एज-ग्रुप क्रिकेट में खेल चुकी हैं। उन्होंने मुंबई अंडर-19 स्तर पर क्रिकेट खेला था और उस दौर में सरफराज खान और उनके भाई मुशीर खान जैसे खिलाड़ियों के साथ भी खेल चुकी हैं।

भारत में महिला क्रिकेट खेलने का रास्ता स्पष्ट नहीं

भारत में ट्रांसजेंडर महिलाओं के महिला क्रिकेट में खेलने को लेकर बीसीसीआई की स्पष्ट नीति सामने नहीं आई है। दूसरी ओर, आईसीसी ने 2023 में पुरुष यौवन से गुजर चुके ट्रांसजेंडर खिलाड़ियों को एलीट महिला इंटरनेशनल क्रिकेट में खेलने से रोकने की नीति अपनाई थी।

न्यूज। ब्रीफ

महंगी शक्कर पर विजयवर्गीय के बयान को लेकर माकपा का हमला

भोपाल। रक्षाबंधन पर्व के दौरान शक्कर की बढ़ती कीमतों को लेकर प्रदेश की राजनीति गरमा गई है। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के राज्य सचिव जसविंदर सिंह ने संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के शक्कर की कीमतों से संबंधित बयान को लेकर सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि महंगी शक्कर और उस पर मंत्री का बयान जनता की भावनाओं को आहत करने वाला तथा उनके जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा है।

अस्थाई कनेक्शन लेकर ही झांकी-पंडाल की विद्युत सज्जा करें

भोपाल। गणेशोत्सव एवं आगामी त्योहारों को देखते हुए धार्मिक पंडालों और झांकियों को अस्थाई विद्युत कनेक्शन उपलब्ध कराने के लिए मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने आवश्यक प्रबंध किए हैं। कंपनी ने धार्मिक उत्सव समितियों और बिजली उपभोक्ताओं से अपील की है कि 14 सितंबर को गणेशोत्सव के दौरान पंडालों एवं झांकियों में विद्युत साज-सज्जा केवल नियमानुसार अस्थाई कनेक्शन लेकर ही करें।कंपनी ने अस्थाई कनेक्शन के लिए ऑनलाइन आवेदन की सुविधा उपलब्ध कराई है। आवेदकों को निर्धारित प्रपत्र में वास्तविक विद्युत भार का उल्लेख करते हुए ऑनलाइन आवेदन करना होगा। आवेदन के साथ लाइसेंसी विद्युत ठेकेदार की टेस्ट रिपोर्ट संलग्न करना और वायरिंग सहित अन्य विद्युत कार्य लाइसेंसधारी ठेकेदार से ही कराना अनिवार्य है।

कानपुर सेंट्रल-मदुरई विशेष ट्रेन के 13 अतिरिक्त फेरे संचालित

भोपाल। यात्रियों की सुविधा एवं अतिरिक्त यात्री यातायात को ध्यान में रखते हुए रेलवे प्रशासन द्वारा भोपाल मंडल होकर संचालित गाड़ी संख्या 01925/01926 कानपुर सेंट्रल-मदुरई-कानपुर सेंट्रल साप्ताहिक विशेष ट्रेन के संचालन की अवधि में विस्तार करने का निर्णय लिया गया है। इसके तहत दोनों दिशाओं में 13-13 अतिरिक्त फेरे संचालित किए जाएंगे।गाड़ी संख्या 01925 कानपुर सेंट्रल-मदुरई साप्ताहिक विशेष ट्रेन प्रत्येक बुधवार को 02 सितंबर 2026 से 25 नवंबर 2026 तक कुल 13 फेरे संचालित की जाएगी। यह ट्रेन कानपुर सेंट्रल से निर्धारित समय 08:10 बजे प्रस्थान करेगी।इसी प्रकार, गाड़ी संख्या 01926 मदुरई-कानपुर सेंट्रल साप्ताहिक विशेष ट्रेन प्रत्येक शनिवार को 05 सितंबर 2026 से 28 नवंबर 2026 तक कुल 13 फेरे संचालित की जाएगी। यह ट्रेन मदुरई से निर्धारित समय 02:30 बजे प्रस्थान करेगी।

50 हजार डाटा एंट्री ऑपरेटर के लिए हाईकोर्ट की डबल बेंच ने 2400 ग्रेड पे पर लगाई मुहर

भोपाल । प्रदेश के 50 हजार से अधिक संविदा डाटा एंट्री ऑपरेटरों को हाईकोर्ट के फैसले से बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ की डबल बेंच ने डाटा एंट्री आपरेटरों से संबंधित राज्य सरकार की रिट अपील खारिज करते हुए इन कर्मचारियों को 1900 की जगह 2400 ग्रेड पे दिए जाने के सिंगल बेंच के आदेश को बरकरार रखा है।

इसका फायदा प्रदेश के सभी विभागों में काम करने वाले डाटा एंट्री आपरेटरों को मिलेगा।

मध्यप्रदेश संविदा कर्मचारी अधिकारी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष रमेश राठौर ने बताया कि राज्य शिक्षा केंद्र के अंतर्गत समग्र शिक्षा अभियान में कार्यरत संविदा डाटा एंट्री ऑपरेटरों ने 22 जुलाई 2023 की संविदा नीति के अंतर्गत वेतन की समकक्षता निर्धारित किए जाने को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी

सितंबर में मोहन सरकार का बड़ा मंथन

ढाई साल के काम का हिसाब और अगले ढाई साल की तैयारी

भोपाल। मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार अपने कार्यकाल के ढाई साल पूरे होने के बाद पहली बार बड़े स्तर पर नीति और कामकाज की समीक्षा करने जा रही है। सितंबर में प्रस्तावित दो दिवसीय चिंतन शिविर में केवल अब तक की उपलब्धियों का आकलन नहीं होगा, बल्कि वर्ष 2028 तक सरकार की प्राथमिकताओं और कामकाज का रोडमैप भी तैयार किया जाएगा। इस बार चिंतन शिविर का दायरा भी पहले की तुलना में बड़ा होगा। मंत्रियों के साथ प्रदेश के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों, कलेक्टरों और संभागायुक्तों को भी इसमें शामिल किया जाएगा। विभागों की योजनाओं की जमीनी स्थिति से लेकर जिलों की प्रशासनिक चुनौतियों तक पर सीधे सवाल-जवाब होंगे। चिंतन शिविर में मंत्रियों के अलग-अलग समूह बनाकर उनके विभागों की समीक्षा की जाएगी। पिछले ढाई साल में शुरू की गई योजनाओं, उनकी प्रगति, खर्च और सामने आई अड़चनों का ब्यौरा लिया जाएगा।

सरकार के संकल्प पत्र में किए गए वादों को भी समीक्षा के केंद्र में रखा जाएगा। जिन घोषणाओं और वादों को अगले ढाई साल में पूरा किया जाना है, उनके लिए समयबद्ध रोडमैप तैयार करने पर जोर रहेगा। यानी बैठक का फोकस केवल यह जानने पर नहीं होगा कि सरकार ने अब तक क्या किया, बल्कि यह भी तय किया जाएगा कि 2028 के

विधानसभा चुनाव से पहले किन कामों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करना है।

पहली बार कलेक्टरों से सीधे जवाब-तलब

इस चिंतन शिविर में जिलों की प्रशासनिक मशीनरी की सीधी भागीदारी सबसे अहम बदलाव मानी जा रही है। कलेक्टर और संभागायुक्त विभागीय अधिकारियों के साथ मौजूद रहेंगे। इस दौरान योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही स्थानीय समस्याओं, विकास परियोजनाओं की गति और प्रशासनिक अड़चनों पर सीधे चर्चा हो सकती है। इससे भोपाल में तैयार योजनाओं और जिलों में उनके वास्तविक क्रियान्वयन के बीच के अंतर को समझने का मौका मिलेगा। मंत्रियों के प्रभार वाले जिलों की स्थिति भी समीक्षा का हिस्सा बनेगी। खासतौर पर जिन जिलों में मंत्री नियमित दौरे नहीं कर पा रहे हैं या लंबे समय से बदलाव की मांग कर रहे हैं, वहां की स्थिति पर भी चर्चा होने की संभावना है।

चुनाव से पहले विकास एजेंडा तय करने की तैयारी

वर्ष 2027-28 के दौरान प्रदेश में नगरीय निकाय और त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव प्रस्तावित हैं। ऐसे में सरकार के लिए अगले ढाई साल का समय राजनीतिक और प्रशासनिक दोनों लिहाज से महत्वपूर्ण है। चिंतन शिविर में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की योजनाओं के क्रियान्वयन पर विशेष जोर रह सकता है। सरकार चुनावी गतिविधियां तेज होने से पहले अपने विकास एजेंडे को जमीन पर उतारने की कोशिश करेगी। छात्र संघ, सहकारिता, मंडी और जल उपभोक्ता संस्थाओं से जुड़े संभावित चुनावों को लेकर भी संगठनात्मक स्तर पर रणनीति बनाने की चर्चा हो सकती है।

प्रभार वाले जिलों में बदलाव के संकेत

चिंतन शिविर के बाद मंत्रियों के प्रभार वाले जिलों में फेरबदल की संभावना भी सामने आ रही है। कुछ मंत्री लंबे समय से अपने प्रभार वाले जिलों को बदलने की मांग कर चुके हैं, जबकि कई जिलों की राजधानी भोपाल से दूरी भी उनके नियमित दौरे में बाधा बन रही है। ऐसे में जिलों की समीक्षा के आधार पर प्रभार बदलने का फैसला भी लिया जा सकता है।

भोपाल में ही शिविर, खर्च घटाने पर जोर

इस बार सरकार चिंतन शिविर को राजधानी भोपाल में ही आयोजित करने के पक्ष में है। पहले ऐसे शिविर राजधानी से बाहर शांत स्थानों पर आयोजित किए जाते रहे हैं। भोपाल में आयोजन से मंत्रियों और अधिकारियों के आने-जाने तथा ठहरने का खर्च कम होगा। मंत्रियों और अधिकारियों के अपने आवास से बैठक में शामिल होने की संभावना भी है।

मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड की बड़ी कार्रवाई, उम्मीद पोर्टल पर दर्ज संपत्ति से सामने आया मामला

इज्तेमा बाजार मामले में एफआईआर और 28.91 करोड़ की रिकवरी के आदेश

भोपाल। नए वक्फ कानून के लागू होने के बाद मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड ने इज्तेमा बाजार को लेकर बड़ी कार्रवाई की है। बोर्ड का कहना है कि वक्फ की संपत्ति पर वर्षों से अवैध रूप से इज्तेमा बाजार संचालित किया जा रहा था और किराया वसूल किया जा रहा था। इस मामले में शाहिद अलीम और उसके अन्य साथियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है। साथ ही करीब 28.91 करोड़ रुपये की रिकवरी जारी की गई है। मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड के मुताबिक शासकीय वक्फ संपत्ति पर मालिकाना हक जताकर वर्षों से सैकड़ों दुकानों को किराये पर दिया जा रहा था।

बोर्ड का आरोप है कि इन दुकानों से करोड़ों रुपये की अवैध वसूली की गई। मामले को लेकर बोर्ड लंबे समय से कानूनी लड़ाई लड़ रहा था। अब फैसला बोर्ड और शासन के पक्ष में आने के बाद कार्रवाई की गई है। ोर्ड के अनुसार नए वक्फ कानून के बाद उम्मीद पोर्टल पर दर्ज वक्फ संपत्तियों की जांच के दौरान इज्तेमा बाजार के संचालन को लेकर अनियमि सामने आईं। इसके बाद संबंधित लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई। बोर्ड का कहना है कि इज्तेमा बाजार लोकप्रिय है और अब इसका संचालन भी कानून के मुताबिक

व्यवस्थित तरीके से किया जाएगा। बाजार में लोगों को आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया जाएगा। बोर्ड आय यतीमों के काम में लाएंगे मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सनवर पटेल ने कहा कि आगे इज्तेमा बाजार का संचालन बाजार दरों के आधार पर किया जाएगा। इससे मिलने वाले राजस्व का उपयोग यतीम बच्चों की शिक्षा, निकाह और उनके उत्थान से जुड़े कार्यों में लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि वक्फ संपत्तियों का उपयोग निर्धारित उद्देश्यों के अनुसार होना चाहिए

6 करोड़ का निशातपुरा स्टेशन, रोज औसतन 6 यात्रियों ने पकड़ी ट्रेन

27 दिन में सिर्फ 20,950 रुपए की कमाई

भोपाल। निशातपुरा रेलवे स्टेशन पर यात्री ट्रेनों का ठहराव शुरू हुए करीब एक महीना हो गया है, लेकिन शुरूआती दिनों में यहां से यात्रियों की संख्या काफी कम रही। 28 जुलाई से 23 अगस्त तक स्टेशन से सिर्फ 160 यात्रियों ने अनारक्षित टिकट लेकर यात्रा शुरू की। इससे रेलवे को कुल 20,950 रुपये का राजस्व मिला। शुरूआत में निशातपुरा स्टेशन पर दो यात्री ट्रेनों की दो जोड़ी का ठहराव दिया गया है। इनमें वेरावल-जबलपुर और श्रीमाता वैष्णो देवी कटरा-डॉ. अंबेडकर नगर की ट्रेनें शामिल हैं। रेलवे के अनुसार, 27 दिनों में औसतन करीब 6 यात्रियों ने प्रतिदिन यहां से अनारक्षित कोच में यात्रा शुरू की। जानकारी के अनुसार निशातपुरा स्टेशन को शुरू करने के लिए उसके निर्माण पर करीब 6 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं।

ट्रेन आने से दो घंटे पहले खुलेगी टिकट खिडकीरेल प्रशासन ने ट्रेन के स्टापेज के अनुसार अनारक्षित टिकट खिडकी के संचालन का समय तय किया है। यहां पर ट्रेन के निर्धारित समय से करीब दो घंटे पहले टिकट खिडकी खोली जाती है। रेलवे का कहना है कि ट्रेन के ठहराव के अलावा अन्य समय में यात्रियों की संख्या बेहद कम होने के कारण टिकट खिडकी खुली रखने पर अनावश्यक खर्च को बचाने के लिए यह निर्णय लिया गया है।

अभी शुरूआती चरण में स्टेशन का विकास रेलवे के अधिकारियों के अनुसार निशातपुरा स्टेशन अभी विकास के शुरूआती चरण में है। यात्री यातायात बढने के साथ यहां भविष्य में और ट्रेनों का ठहराव तथा यात्री सुविधाएं बढ़ाई जाएंगी। फिलहाल इन ट्रेनों का नियमित ठहराव भोपाल और संत हिरदाराम नगर स्टेशन पर भी उपलब्ध है।

सेमी गर्वमेंट एम्प्लाइज फेडरेशन ने दी आंदोलन की चेतावनी

पूर्व अधिकारियों और पूर्व मंत्रियों के निवास से कर्मचारी वापस बुलाने की मांग

भोपाल। मत्स्य महासंघ, हाउसिंग बोर्ड सहित विभिन्न निगम-मंडलों के कर्मचारियों को पूर्व आईएएस अधिकारियों और पूर्व मंत्रियों के निवास पर निजी कार्यों में लगाए जाने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। सेमी गर्वमेंट एम्प्लाइज फेडरेशन के संयोजक अनिल बाजपेई और अर्द्ध शासकीय अधिकारी-कर्मचारी सार्वजनिक उपक्रम संघ के प्रांताध्यक्ष अरुण वर्मा ने इस व्यवस्था का कड़ा विरोध किया है। कर्मचारी नेताओं का आरोप है कि मत्स्य महासंघ, हाउसिंग बोर्ड और अन्य निगम-मंडलों में सीधी भर्ती नहीं होने तथा बड़ी संख्या में कर्मचारियों के सेवानिवृत्त होने के कारण पहले से ही स्टाफ की कमी बनी हुई है। इसके बावजूद इन संस्थाओं के कर्मचारियों को पूर्व आईएएस अधिकारियों और पूर्व मंत्रियों के निवास पर कार्य करने

के लिए लगाए रखा गया है। नेताओं का कहना है कि कई अधिकारी सेवानिवृत्त हो चुके हैं और कई राजनेता अब पूर्व मंत्री हैं। इसके बावजूद उनके निवास पर तैनात कर्मचारियों को संबंधित निगम-मंडलों में वापस नहीं बुलाया जा रहा है। उनका आरोप है कि इन कर्मचारियों के वेतन का भुगतान भी संबंधित निगम-मंडलों द्वारा किया जा रहा है।

निगम-मंडलों में स्टाफ की कमी

अनिल बाजपेई और अरुण वर्मा ने कहा कि एक ओर निगम-मंडलों में कर्मचारियों की कमी के कारण नियमित कामकाज प्रभावित हो रहा है, वहीं दूसरी ओर उपलब्ध मानव संसाधन का उपयोग पूर्व अधिकारियों और पूर्व मंत्रियों के निवास पर किया जा रहा है। उन्होंने इसे निगम-मंडल प्रशासन की गंभीर प्रशासनिक लापरवाही बताते हुए तत्काल व्यवस्था में बदलाव की मांग की। कर्मचारी नेताओं ने कहा कि जब संबंधित अधिकारी सेवानिवृत्त हो चुके हैं और मंत्री अपने पद पर नहीं हैं, तो उनके निवास पर निगम-मंडलों के कर्मचारियों की तैनाती जारी रखने का औचित्य स्पष्ट किया जाना चाहिए। उनका कहना है कि निगम-मंडलों के कर्मचारियों को संस्थाओं के काम में लगाया जाना चाहिए, ताकि सीमित स्टाफ का उपयोग जनहित और विभागीय कार्यों के लिए हो सके।

भोपाल समेत 5 शहरों में चलेगी टूरिस्ट बस

भोपाल। मध्य प्रदेश के प्रमुख पर्यटन शहरों को एक ही दिन में घूमने की सुविधा देने के लिए पर्यटन विभाग नई सिटी टूरिस्ट बस सेवा शुरू करने की तैयारी में है। योजना के तहत भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर और जबलपुर में निजी ऑपरेटरों के माध्यम से बसें चलाई जाएंगी। यात्रियों को एक तय रूट पर प्रमुख पर्यटन स्थलों तक पहुंचाने के साथ बस में टूर गाइड की सुविधा भी मिलेगी। पर्यटन बोर्ड ने इसके लिए निजी ऑपरेटरों से प्रस्ताव मांगे हैं।

खास बात यह है कि सिटी टूर का अधिकतम किराया सभी करों सहित 300 रुपए प्रति यात्री रखा गया है। हालांकि बाजार की स्थिति के अनुसार टिकट दर तय करने की गुंजाइश रहेगी, लेकिन निर्धारित अधिकतम सीमा से अधिक किराया नहीं लिया जा सकेगा।

योजना में हर शहर के प्रमुख पर्यटन स्थलों को एक सर्किट के रूप में जोड़ा गया है। इससे बाहर से आने वाले पर्यटकों को अलग-अलग वाहन या स्थानीय परिवहन तलाशने की जरूरत कम होगी। भोपाल सर्किट में अपर लेक, वन विहार, सैर-सपाटा, ट्राइबल म्यूजियम, बिरला मंदिर और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय जैसे स्थल शामिल किए गए हैं।

5 जिलों में फ्लैश फ्लड का अलर्ट; 29 अगस्त से राहत के संकेत

मप्र में 17 जिलों पर भारी बारिश का खतरा

भोपाल। मध्य प्रदेश में मानसून एक बार फिर सक्रिय है और गुरुवार को प्रदेश के पूर्वी व उत्तरी हिस्सों में भारी बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने 17 जिलों में अगले 24 घंटे के दौरान ढाई से 4 इंच तक बारिश का अनुमान जताया है। वहीं ग्वालियर-चंबल के पांच जिलों के कुछ निचले इलाकों और जलग्रहण क्षेत्रों में अचानक बाढ़ यानी फ्लैश फ्लड का खतरा बताया गया है। भारी बारिश की चेतावनी वाले जिलों में विदिशा, गुना, शिवपुरी, सीधी, रीवा, मऊगंज, सतना, अनूपपुर, शहडोल, उमरिया, मंडला, पन्ना, दमोह, सागर, छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी शामिल हैं। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार सागर, रीवा और शहडोल संभाग में सिस्टम का प्रभाव अपेक्षाकृत ज्यादा रह सकता है। इन क्षेत्रों में कुछ स्थानों पर तेज बारिश होने की संभावना है।

जीएमसी की रिसर्च में बच्चों और बड़ों में संक्रमण का फर्क सामने आया

खांसी-जुकाम एक जैसा, वायरस अलग

भोपाल। सर्दी, खांसी, जुकाम और बुखार के लक्षण देखकर यह तय करना आसान नहीं है कि संक्रमण किस वायरस की वजह से हुआ है। गांधी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) की स्टेट वायरोलॉजी लैब की रिसर्च में सामने आया है कि एक जैसे लक्षणों के बावजूद बच्चों और वयस्कों में बीमारी पैदा करने वाले वायरस अलग हो सकते हैं। गंभीर सांस संबंधी संक्रमण वाले कुछ मरीजों में एक साथ दो या उससे अधिक वायरस भी पाए गए। शोध जुलाई से अक्टूबर 2025 के बीच 150 मरीजों के सैंपल पर किया गया। इनमें 50 बच्चे, 50 वयस्क और 50 बुजुर्ग शामिल थे। सभी में सांस से जुड़ी बीमारी के समान लक्षण मौजूद थे। जांच में बच्चों में आरएसवी और एडिनोवायरस, जबकि वयस्कों में इन्फ्लुएंजा और एसएआरएस-सीओवी-2 की मौजूदगी अपेक्षाकृत ज्यादा सामने आई। रिसर्च का सबसे महत्वपूर्ण निष्कर्ष यह है कि समान लक्षणों का मतलब समान संक्रमण नहीं होता। खांसी, जुकाम, बुखार

और गले में खराश कई अलग-अलग वायरस के कारण हो सकते हैं। इसलिए केवल लक्षणों के आधार पर संक्रमण की वजह तय करना मुश्किल हो सकता है। कुछ मरीजों में एक ही समय पर दो या उससे अधिक वायरस मिले। ऐसे मल्टीपल वायरस संक्रमण के मामले गंभीर सांस संक्रमण वाले मरीजों में अपेक्षाकृत अधिक देखे गए। पांच साल तक के बच्चों में वायरस के मिश्रित संक्रमण का महत्वपूर्ण पैटर्न सामने आया। एक से अधिक वायरस संक्रमण वाले 18 मामलों में 10 यानी 55.6 प्रतिशत में आरएसवी और एडिनोवायरस दोनों पाए गए। आरएसवी बच्चों में सांस संबंधी बीमारी का प्रमुख कारण बन सकता है, जबकि एडिनोवायरस सर्दी-जुकाम, बुखार और गले में खराश जैसे लक्षण पैदा कर सकता है। ऐसे में बच्चों में लक्षणों को देखकर दोनों में अंतर करना आसान नहीं रहता।

वयस्कों में फ्लू और कोरोना की मौजूदगी

30 से 55 वर्ष की आयु के लोगों में इन्फ्लुएंजा-ए की पहचान अधिक हुई। वहीं एसएआरएस-सीओवी-2 की पहचान केवल 30 वर्ष या उससे अधिक उम्र के वयस्कों में हुई। इससे यह संकेत मिलता है कि अलग-अलग आयु समूहों में श्वसन संक्रमण का वायरल पैटर्न अलग हो सकता है। यही वजह है कि गंभीर या लगातार बने रहने वाले लक्षणों में केवल अनुमान के आधार पर संक्रमण का कारण तय करने के बजाय जरूरत के अनुसार जांच महत्वपूर्ण हो सकती है।

एक जांच में पांच तरह के वायरस की पहचान

मरीजों के नाक और गले से नमूने लेकर मल्टीप्लेक्स रियल टाइम पीसीआर जांच की गई। इस तकनीक से एक ही जांच में कोरोना, फ्लू और बच्चों में सांस की बीमारी से जुड़े वायरस समेत पांच प्रकार के वायरस की पहचान की गई। इस तरह की जांच से एक साथ कई संभावित वायरल संक्रमणों का पता लगाया जा सकता है। खासकर ऐसे मरीजों में इसका महत्व बढ़ जाता है, जिनमें सांस की बीमारी गंभीर हो या सामान्य इलाज के बावजूद स्थिति में अपेक्षित सुधार न हो।

वायरस की निगरानी से पब्लिक हेल्थ रणनीति मजबूत होगी

शोध डॉ. हरजीत सिंह मान, डॉ. दीप्ति चौरसिया, डॉ. लोकेंद्र दवे, डॉ. गरिमा कपूर, डॉ. प्रवीण दांडेकर, डॉ. श्वेता शर्मा, डॉ. महेंद्र कुमार और डॉ. सविता पाल ने किया। इसमें जीएमसी के माइक्रोबायोलॉजी, श्वसन चिकित्सा और बाल रोग विभाग शामिल रहे। शोध को आईसीएमआर से अनुदान मिला। शोधकताओं के मुताबिक सांस संबंधी संक्रमण फैलाने वाले वायरस की लगातार निगरानी जरूरी है। इससे मरीजों के इलाज में डॉक्टरों को बेहतर जानकारी मिल सकती है और वायरस के प्रसार पर नजर रखने में भी मदद मिलेगी। रिसर्च का संदेश साफ है कि लक्षण भले एक जैसे दिखें, लेकिन बीमारी की वजह अलग हो सकती है।

इस बार बहनें बिना किसी समय की पाबंदी के दिनभर बांध सकेंगी प्यार का

राखी के पहले ही समाप्त हो जाएगी भद्रा

भोपाल। इस बार रक्षाबंधन बेहद शुभ और मंगलमय रहेगा। पंचांगों और ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार, इस बार राखी बांधने के लिए बहनों को भद्रा काल का विचार नहीं करना पड़ेगा और कई दशकों बाद यह बेहद खास संयोग बन रहा है जब सावन पूर्णिमा पर भद्रा का साया एक दिन पहले ही समाप्त हो जाएगा। हमेशा राखी पर्व पर भद्रा काल को लेकर विशेष सावधानी बरती जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, भद्रा के दौरान राखी बांधना अशुभ माना जाता है। भद्रा काल गुरूवार की सुबह 9:09 बजे से शुरू होकर रात 9:25 बजे समाप्त हो जाएगा. यानी 28 अगस्त को राखी बांधते समय भद्रा का कोई प्रभाव नहीं रहेगा, वहीं 27 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद रक्षाबंधन पर 11 दुर्लभ महायोग एक साथ बन रहे हैं। सूर्य और गुरु (बृहस्पति) अपनी उच्च राशियों में विराजमान होकर इस दिन को फलदायी और मंगलमय बनाएंगे, वहीं रक्षाबंधन के पूरे दिन शतभिषा नक्षत्र का प्रभाव रहेगा, जो मांगलिक कार्यों के लिए बहुत शुभ होता है। सावन पूर्णिमा शुक्रवार को लग जाएगी, लेकिन सनातन धर्म में उदया तिथि की मान्यता के कारण रक्षाबंधन 28 अगस्त को मनाया जाएगा।

रक्षासूत्र बांधने एवं बंधवाने के शुभ मुहूर्त

अभिजीत+शुभ चौघडिना का श्रेष्ठ मुहूर्त दोप. 12.25 मि. से 12.49 मि. तक रहेगा, वहीं प्रातः 06.09 मि. से 07.43 मि. तक (चर) ,प्रातः 07.44 मि. से 09.17 मि. तक (लाभ), प्रातः 09.18 मि. से 10.51 मि. तक (अमृत) ,दोप. 12.25 मि. से 01.59 मि. तक (शुभ) दोप. 05.07 मि. से सांयः 06.41 मि. तक (चर) ,रात्रि 09.33 मि. से 10.59 मि. तक।

राखी पर चंद्रग्रहण भी, लेकिन कोई मान्यता नहीं

इस बार 28 अगस्त को पडने वाले रक्षाबंधन के दिन चंद्रग्रहण भी लग रहा है, लेकिन देशवासियों के लिए बड़ी राहत की बात यह है कि यह ग्रहण भारत में नजर नहीं आएगा। भारत में न दिखने के कारण इसका सूतक काल भी मान्य नहीं होगा।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक और प्रकाशक शरद पाराशर छाप साईं प्रिंटर्स म.नं. 19 शॉप नं. 3 सिंसी पुलिस चौकी के पास जहांगीराबाद, भोपाल म.प्र.से मुद्रित करवाकर ए-52 कस्तूरबा नगर भोपाल से प्रकाशित।
संपादक- शरद पाराशर मो.9425023929, समाचार सम्पादक :-सेजल दीक्षित (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)